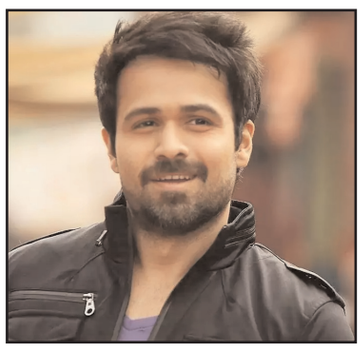

हिन्दी दैनिक

गर्ग टाइम्स

RNI No -UPHIN/2022/84312

लोकतंत्र की आवाज़.....

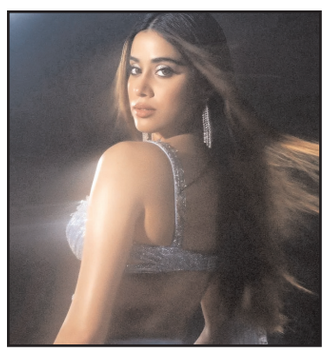

वर्ष : 2 अंक: 156 | लखनऊ, गुरूवार 14 मार्च 2024 | पृष्ठ:8 | मूल्य: 1.00 रूपया

⇨ लंबे समय से था इंतजार, अमेरिका में हिंदुओं.... ⇨ राष्ट्रपति ने मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में.... ⇨ कंगाल पाकिस्तान में बड़ा ऐलान...

एसबीआई का सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा, चुनावी बॉन्ड के आँकड़े निर्वाचन आयोग को सौंपे

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

नयी दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने बुधवार को दायर एक अनुपालन हलफ़नामे में सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उसने भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) को चुनावी बॉन्ड पर डिजिटल आँकड़े सौंप दिए हैं। एसबीआई के चेयरमैन द्वारा दिए गए हलफ़नामे में कहा गया है कि मंगलवार को कारोबार का समय समाप्त होने से पहले संविधान पीठ के फैसले के अनुरूप सभी आवश्यक विवरणों के साथ चुनाव आयोग को एक सीलबंद लिफ़ाफ़ा सौंपा गया था, जिसमें दो पीडीएफ फ़ाइलें थीं। एक में चुनावी बांड खरीदने वालों का विवरण था और दूसरी फ़ाइल में उन राजनीतिक दलों के नाम थे जिन्होंने इन बांडों को भुनाया है। हलफ़नामे में कहा गया है, उपरोक्त डेटा 1 अप्रैल 2019 और 15 फ़रवरी 2024 के बीच खरीदे और भुनाए गए बांडों के संबंध में है। एसबीआई ने बताया कि 1 अप्रैल 2019 और 15 फ़रवरी 2024 के बीच कुल 22,217 बांड खरीदे गए और राजनीतिक दलों द्वारा 22,030 बांड भुनाए गए। एसबीआई ने 2018 की गजट अधिसूचना का हवाला देते हुए कहा कि उन चुनावी बांडों की राशि जिन्हें 15 दिन की वैधता अवधि के भीतर राजनीतिक दलों द्वारा भुनाया नहीं गया था, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष में स्थानांतरित कर दी गई है।सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को ईसीआई को डेटा जमा करने की 6 मार्च की समयसीमा बढ़ाने की एसबीआई की अर्जी खारिज कर दी थी। सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली एक संविधान पीठ ने 15 फ़रवरी को चुनावी बांड योजना, 2018 को असंवैधानिक करार दिया और एसबीआई को तुरंत इन्हें जारी करने से रोकने का आदेश दिया। इसने एसबीआई को अप्रैल 2019 से खरीदे गए चुनावी बांड का विवरण चुनाव निकाय की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशन के लिए 6 मार्च तक ईसीआई को प्रस्तुत करने के लिए भी कहा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने 15 फ़रवरी के आदेश में कहा था, ष्एसबीआई को राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए गए प्रत्येक चुनावी बांड के विवरण का खुलासा करना होगा जिसमें भुनाने की तारीख और चुनावी बांड का मूल्य शामिल होगा। एसबीआई इस फैसले की तारीख से तीन सप्ताह के भीतर 6 मार्च 2024 तक उपरोक्त जानकारी ईसीआई को प्रस्तुत करेगा।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उसने भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) को चुनावी बॉन्ड पर डिजिटल आँकड़े सौंप दिए हैं। एसबीआई के चेयरमैन द्वारा दिए गए हलफ़नामे में कहा गया है कि मंगलवार को कारोबार का समय समाप्त होने से पहले संविधान पीठ के फैसले के अनुरूप सभी आवश्यक विवरणों के साथ चुनाव आयोग को एक सीलबंद लिफ़ाफ़ा सौंपा गया था, जिसमें दो पीडीएफ फाइलें थीं।

संक्षिप्त समाचार

खाई में गिरी पिकअप वैन, 4 की मौत

सासाराम। बिहार के रोहतास जिले के चेनारी थाना क्षेत्र में बुधवार को गुप्ताधाम जाने के क्रम में एक पिकअप वैन अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। इस दुर्घटना में चार लोगो की मौत हो गई, जबकि 20 लोग घायल बताए जा रहे हैं। मरने वालों में सभी महिलाएं हैं। पुलिस के मुताबिक, भोजपुर जिले के शाहपुर के कई लोग एक पिकअप वैन पर सवार होकर गुप्ता धाम महादेव के मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे। इसी दौरान चेनारी थाना के गायघाट के समीप वैन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में जा गिरी। चेनारी के थाना प्रभारी रंजन कुमार ने बताया कि इस दुर्घटना में चार महिलाओं की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि करीब 20 अन्य लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान मीना देवी, परमेशरा देवी, चंद्रावती देवी और तेतरा देवी के रूप में की गई है। सभी भोजपुर के शाहपुर के रहनी वाली थी। उन्होंने बताया कि सभी लोग गुप्ताधाम एक बच्चे का मुंडन कराने जा रहे थे और यह हादसा हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लव अफेयर से नाराज महिला ने की बेटी की हत्या

मुंबई। पुलिस ने 40 वर्षीय हत्यारन मां को गिरफ्तार किया है। इस मां ने अपनी 19 वर्षीय बेटी की हत्या की है। कहा जा रहा है कि मां और बेटी के बीच जीवनसाथी की पसंद को लेकर हो रही बहस के दौरान मां ने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। हालांकि मां का दावा किया है कि बेटी मौत की प्राकृतिक है।पुलिस का कहना है कि महिला के पति ने दो साल पहले खुदखुशी की थी। घर की फइनेंनशियल स्थिति खराब होने के कारण वह एक सहायिका के रुप में काम करती है। उसकी बेटी कॉमर्स फर्स्ट इयर की छात्रा है और वह लड़के से लव मैरिज करना चाहती है।

हाईकोर्ट ने डीडीए के बुलडोजर चलाने पर लगाई ब्रेक

नयी दिल्ली। हाईकोर्ट से पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थियों के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। कोर्ट ने डीडीए (दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी) के पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थियों के घरों पर बुलडोजर चलवाने पर रोक लगा दी। साथ ही कहा गया है कि इनके खिलाफकोई भी दंडात्मक कार्यवाही न की जाएगी। संबंधित मामले में 19 मार्च को अगली सुनवाई होगी। वहीं 4 मार्च को जारी अधिसूचना को चुनौती दी थी। दायर याचिका में कहा गया था कि 06 मार्च तक शरणार्थियों को शिविर खाली करने होंगे। साथ ही ऐसा कहा गया था कि यदि शिविर खाली नहीं किया जाएगा तो उसे गिरा दिया जाएगा। आपको बता दें कि 29 जनवरी को नेशनल ग्रीम ट्रिब्यूनल के यमुना बाढ़ क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने के आदेश पर कार्वाई करते हुए डीडीए ने निवासियों को घर खाली करने का नोटिस दिया था।

दिल्ली में 2 नए मेट्रो कॉरिडोर को कैबिनेट की मंजूरी, 8400 करोड़ रुपए होंगे खर्चः अनुराग ठाकुर

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने लोकसभा चुनाव से पहले राजधानी दिल्ली के लोगों को दो मेट्रो लाइनों की सौगात दी है। पहली लाइन लाजपत नगर से साकेत जी ब्लॉक तक तथा दूसरी इंद्रलोक से इन्द्रप्रस्थ तक होगी। सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं को जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री ने कहा, बैठक में दिल्ली में मेट्रो के चौथे चरण के तहत दो मेट्रो लाइनों के निर्माण को मंजूरी दी गयी है। उन्होंने कहा कि पहली लाइन इन्द्रलोक से इन्द्रप्रस्थ के बीच होगी और इसकी लंबाई 12. 377 किलोमीटर होगी तथा यह ग्रीन लाइन का विस्तार होगा। दूसरी लाइन लाजपत नगर से साकेत जी ब्लॉक के बीच होगी जिसकी लंबाई 8. 385 किलोमीटर होगी। उन्होंने कहा कि इन दोनों लाइनों पर 8399 करोड़ रूपए का खर्च होंगे, जिसमें से 10547 करोड़ रूपए केंद्र सरकार और 1987 करोड़ रूपए दिल्ली सरकार वहन करेगी।

अहमदनगर बना अहिल्यानगर, 8 स्टेशनों के भी बदलेंगे नाम, शिंदे कैबिनेट का बड़ा फैसला

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

मुंबई। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र कैबिनेट ने अहमदनगर जिले का नाम बदलकर अहिल्या नगर करने का फैसला किया है। कैबिनेट ने 8 मुंबई रेलवे स्टेशनों के नाम बदलने का भी फैसला किया है जो ब्रिटिश काल के नाम थे। साथ ही कैबिनेट ने उत्तान (भायंदर) और विरार (पालघर) के बीच सी लिंक बनाने को भी मंजूरी दे दी है। कैबिनेट ने जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में महाराष्ट्र भवन बनाने के लिए 2.5 एकड़ जमीन खरीदने को भी मंजूरी दे दी है। इसके लिए बजट प्रस्ताव महाराष्ट्र विधानसभा के पिछले बजट सत्र में राज्य के बजट में पहले ही किया जा चुका था। जिले की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, महाराष्ट्र के पश्चिमी क्षेत्र में स्थित, अहमदनगर 240 ईसा पूर्व से शुरू होकर कुछ प्रमुख राज्यों का हिस्सा रहा है जब आसपास के क्षेत्र का उल्लेख मौर्य सम्राट अशोक के संदर्भ में किया गया है। मध्ययुगीन काल में, इस क्षेत्र पर राष्ट्रकूट राजवंश, पश्चिमी चालुक्य और फिर दिल्ली सल्तनत का शासन था। अहमदनगर, जिसे तब निज़ामशाही के नाम से जाना जाता था, उस साम्राज्य से उभरने वाले पाँच स्वतंत्र राज्यों में से एक बन गया। 1486 में मलिक अहमद निज़ाम शाह ने बहमनी सल्तनत के प्रधानमंत्री का पद संभाला। उन्होंने 1490 में बहमनी साम्राज्य के राजा को सफलतापूर्वक हरा दिया। । चार साल बाद, उन्होंने सीना नदी के बाएं किनारे पर एक शहर की नींव रखी। उन्हीं के नाम पर इस शहर का नाम अहमदनगर रखा गया।

यूसीसी विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी, उत्तराखंड में लागू हुआ यूसीसी, पुष्कर सिंह धामी सरकार ने जारी किया नोटिफिकेशन

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को उत्तराखंड के समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पर हस्ताक्षर कर इसे कानून बना दिया। यह एक महीने से अधिक समय के बाद आया जब विधेयक 7 फरवरी को उत्तराखंड विधानसभा द्वारा पारित किया गया था। यह विधेयक सभी नागरिकों के लिए एक समान विवाह, तलाक, भूमि, संपत्ति और विरासत कानून स्थापित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा प्रस्तुत किया गया था। चाहे उनका धर्म कोई भी हो। यह कानून बाल विवाह पर पूर्ण प्रतिबंध लगाता है और तलाक के लिए एक समान प्रक्रिया शुरू करता है। यह संहिता सभी धर्मों की महिलाओं को उनकी पैतृक संपत्ति में समान अधिकार प्रदान करती है। यूसीसी कानून के अनुसार, सभी समुदायों में शादी की उम्र महिलाओं के लिए 18 वर्ष और पुरुषों के लिए 21 वर्ष होगी। सभी धर्मों में विवाह पंजीकरण अनिवार्य है और बिना पंजीकरण के विवाह अमान्य होंगे। शादी के एक साल बाद तलाक की कोई याचिका दायर करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। विवाह के लिए समारोहों पर प्रकाश डालते हुए, यूसीसी कानून में कहा गया है कि धार्मिक मान्यताओं, प्रथाओं, प्रथागत संस्कारों और समारोहों के अनुसार एक पुरुष और एक महिला के बीच विवाह संपन्न या अनुबंधित किया जा सकता है, जिसमें सप्तपाद, आशीर्वाद शामिल है, लेकिन यह इन्हीं तक सीमित नहीं है। आनंद विवाह अधिनियम 1909 के तहत निकाह, पवित्र मिलन और आनंद कारज, साथ ही विशेष विवाह अधिनियम, 1954 और आर्य विवाह मान्यकरण अधिनियम, 1937 के तहत, लेकिन यह इन्हीं तक सीमित नहीं है। यूसीसी कानून के प्रावधानों के आसान कार्यान्वयन के लिए प्रक्रियाओं, सक्षम स्तर के अधिकारियों के पदनाम से संबंधित नियमों का मसौदा तैयार करने के लिए एक पूर्व मुख्य सचिव की अध्यक्षता में नौ सदस्यीय समिति का गठन किया गया था। समान नागरिक संहिता कानून लागू करने वाला उत्तराखंड भारत का पहला राज्य है जिसमें लिव-इन रिलेशनशिप को भी शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री धामी ने समान नागरिक संहिता के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह विवाह, भरण-पोषण, विरासत और तलाक जैसे मामलों में बिना किसी पूर्वाग्रह के सभी व्यक्तियों के लिए समानता सुनिश्चित करेगा।

सीएए के बारे में झूठ फैलाना बंद करे विपक्ष, कानून किसी की नागरिकता नहीं छीनताः रविशंकर प्रसाद

नयी दिल्ली। संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) को लागू करने को लेकर केंद्र सरकार की आलोचनाओं के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को विपक्षी दलों पर आरोप लगाया कि वे इस कानून के बारे में झूठ फैलाकर सांप्रदायिक भावनाएं भड़का रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जैसे विपक्षी नेताओं पर कानून की तीखी आलोचना करने के लिए निशाना साधा और कहा कि यह कानून किसी भारतीय की नागरिकता या फिर नौकरी नहीं छीनता है। केजरीवाल के इस दावे के संदर्भ में कि केंद्र की भाजपा सरकार भारतीयों को नौकरी नहीं दे सकती, लेकिन पाकिस्तान, अफ़गानिस्तान और बांग्लादेश से आने वालों को देना चाहती है, प्रसाद ने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता ने बहुत अजीब बयान दिया है। प्रसाद ने जोर देकर कहा कि यह कानून उन अल्पसंख्यकों के लिए है जिन्हें तीन देशों में उनके धार्मिक विश्वास के कारण सताया गया। उन्होंने कहा कि ये लोग भारत में कठिन जीवन जी रहे हैं और क्या उन्हें नागरिकता देने में देश नैतिक, सांस्कृतिक और संवैधानिक रूप से सही नहीं है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट कर दिया है कि सीएए नागरिकता देने के लिए है और यह किसी की नागरिकता नहीं छीनता है। प्रसाद ने कहा कि विपक्षी दल यह दुष्प्रचार क्यों फैला रहे हैं। साथ ही उन्होंने सवाल किया कि क्या वे रोहिंग्याओं के समर्थन में खड़े होंगे। उन्होंने कहा, श्श्जो लोग सीएए के नाम पर सांप्रदायिक भावनाएं भड़का रहे हैं, मैं उनसे कहूंगा कि वे इसके बारे में झूठ फैलाना बंद करें।श्श् प्रसाद ने दावा किया कि बनर्जी की जमीन खिसक रही है और यही कारण है कि वह सीएए के मुद्दे को सांप्रदायिक रंग देने के लिए मजबूर हैं।

फर्जी शस्त्र लाइसेंस मामले में गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी को उम्रकैद की सजा

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी को फर्जी हथियार लाइसेंस मामले में बुधवार को उम्रकैद की सजा मिल गई। जेल में बंद यूपी के पूर्व विधायक, जो कई मामलों में आरोपी हैं, पंजाब जेल से लाए जाने के बाद 2021 से बांदा जेल में बंद हैं। वाराणसी एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश अवनीश गौतम ने मामले में फैसला सुनाया। 1990 में सीबीसीआईडी ने विधायक रहते हुए फर्जी दस्तावेजों के आधार पर शस्त्र लाइसेंस हासिल करने के आरोप में अंसारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। सीबीसीआईडी ने अंसारी के साथ ही शस्त्र लिपिक गौरी शंकर लाल के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की थी। तत्कालीन डीएम आलोक रंजन और एसपी देवराज नागर के फर्जी हस्ताक्षर से फर्जी शस्त्र लाइसेंस बनाया गया था. अंसारी के वकील ने बताया कि जेल में बंद अंसारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बहस के दौरान मौजूद थे। दिसंबर 2023 में, एक विशेष अदालत ने 1997 में एक कोयला व्यापारी को जान से मारने की धमकी के लिए अंसारी को साढ़े पांच साल की कैद की सजा सुनाई। कैद के साथ-साथ एमपी-एमएलए अदालत ने अंसारी पर 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। उन्हें महावीर प्रसाद रांगुटा को जान से मारने की धमकी देने का दोषी ठहराया। अंसारी ने जनवरी, 1997 में वाराणसी निवासी रंगुटा और उनके घर को विस्फोट से उड़ाने की धमकी दी थी। अदालत ने 5 दिसंबर को मामले में सुनवाई पूरी कर ली, लेकिन अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। पीठ ने अंसारी को दोषी ठहराया और सजा की घोषणा की। अंसारी बांदा जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालती कार्यवाही में शामिल हुए। अंसारी मऊ विधानसभा क्षेत्र से पांच बार विधायक रहे। गैंगस्टर से नेता बने ने 2022 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा और उनकी सीट उनके बेटे अब्बास अंसारी ने सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) से जीती थी।

राहुल गांधी ने की महिला न्याय गारंटी की घोषणा, कहा, सरकारी नौकरियों में मिलेगा 50 प्रतिशत आरक्षण

धुले। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि लोकसभा चुनाव में अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो पांच ''महिला न्याय गारंटी दी जाएगी जिनमें गरीब महिलाओं के बैंक खातों में सालाना एक लाख रुपए जमा किए जाने के साथ ही सरकारी नौकरियों में 50 प्रतिशत आरक्षण शामिल हैं।'भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तहत महाराष्ट्र के धुले जिले में एक महिला रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने यह भी वादा किया कि मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा), आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और मध्याह्न भोजन योजनाओं में कार्यरत महिलाओं के लिए बजट में केंद्र सरकार की हिस्सेदारी दोगुनी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने और उनके मामले लड़ने के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। गांधी ने यह भी कहा कि देश के हर जिले में महिलाओं के लिए सावित्रीबाई फुले छात्रावास स्थापित किए जाएंगे। राहुल गांधी के भाषण से पहले पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने एक वीडियो बयान में कहा था कि महालक्ष्मी गारंटी के तहत गरीब महिलाओं के बैंक खातों में सालाना एक लाख रुपये जमा कराए जाएंगे। उन्होंने कहा, आधी आबादी पूरा हक, जिसका मतलब है सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। खरगे ने कहा कि कांग्रेस की गारंटी पत्थर की लकीर है और यह कोई जुमला नहीं है।

मनोहर लाल खट्टर ने विधानसभा की सदस्यता से दिया इस्तीफा

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

करनाल। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अपने पद से अचानक इस्तीफे के एक दिन बाद बुधवार को करनाल विधानसभा क्षेत्र से विधायक पद से इस्तीफा दे दिया। खट्टर 2014 से करनाल का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। उन्होंने 2019 के हरियाणा विधानसभा चुनावों में अपनी सीट बरकरार रखी। उन्होंने कहा कि भाजपा उन्हें जो भी जिम्मेदारी देगी, वह उसे समर्पण भाव से निभाएंगे। अटकलें लगाई जा रही हैं कि भाजपा करनाल लोकसभा क्षेत्र से खट्टर को मैदान में उतार सकती है। 2019 के लोकसभा चुनाव में संजय भाटिया ने शानदार जीत हासिल की। उन्होंने कांग्रेस के कुलदीप शर्मा को 656142 वोटों से हराया. संजय भाटिया को 911,594 वोट मिले, जो कुल का 71त्न है, जबकि कुलदीप शर्मा को केवल 255,452 वोट मिले, जो कि मात्र 20त्न है। करनाल लोकसभा सीट पर लगभग 1,821,231 मतदाता हैं। इनमें से 974,840 पुरुष मतदाता हैं, जबकि 846,382 महिला मतदाता हैं। पिछले लोकसभा चुनाव (2019) में 1,300,722 मतदाताओं ने वोट डाले थे।

लखनऊ

कृमि मुक्त अभियानः 84 प्रतिशत आबादी ने खाई एल्बेन्डाजॉलः ब्रजेश

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

लखनऊ। यूपी में इस बार के कृमि मुक्त अभियान में 84 प्रतिशत लक्षित आबादी ने पेट के कीड़े मारने की दवा एल्बेन्डाजॉल खाई है। जबकि पिछले अभियान में 79 प्रतिशत बच्चों, किशोर और किशोरियों ने ही एल्बेन्डाजॉल का सेवन किया था। इस दवा के सेवन से जहां स्वास्थ्य व पोषण में सुधार होता है वहीं शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। एनीमिया नियंत्रण रहता है। साथ ही बच्चों में सीखने की क्षमता बढ़ती है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में दवा सेवन करवाने में इस वर्ष जो उपलब्धि मिली, उसके

पीछे स्वास्थ्य विभाग के साथ शिक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रयास के साथ जनमानस की जागरूकता का सहयोग है। हम स्वस्थ व पोषित समाज निर्माण की ओर अग्रसर हैं। आशा है कि प्रदेश की नई पौध अन्य के मुकाबले ज्यादा स्वस्थ होगी। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के महाप्रबंधक डॉ. मनोज शुक्ल ने बताया कि फरवरी में कृमि मुक्त अभियान के दौरान शैक्षणिक संस्थानों में और आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से पेट के कीड़े मारने की दवा एल्बेन्डाजॉल खिलाने के लिए अभियान शुरू किया गया था। अभियान में प्रदेश के 69 जिलों के 758 ब्लॉक में एक वर्ष से 19 वर्ष तक के कुल 9.14 करोड़ बच्चों, किशोर और किशोरियों को एल्बेन्डाजॉल खिलाने का लक्ष्य रखा गया था। 7 करोड़ 69 लाख 77 हजार 361 ने एल्बेन्डाजॉल का सेवन किया। डॉ मनोज ने बताया कि पिछले वर्ष अगस्त में कृमि मुक्त अभियान चलाया गया था, इस दौरान प्रदेश में लक्ष्य के सापेक्ष 79 प्रतिशत लक्षित बच्चों, किशोर एवं किशोरियों को कृमि मुक्त की दवा खिलाई गई थी, इस वर्ष यह आंकड़ा लक्ष्य के सापेक्ष 84 प्रतिशत है जो विगत वर्ष की तुलना में 05 प्रतिशत अधिक है। शरीर में कृमि संक्रमण होने पर पेट दर्द, दस्त, कमजोरी, उल्टी और भूख न लगना जैसी शिकायत आती है। यह संक्रमण नंगे पैर चलने, जमीन पर गिरे हुए खाद्य पदार्थ को उठाकर खा लेने आदि से हो जाता है। इससे बच्चा शारीरिक व मानसिक रूप से कमजोर होने लगता है। वह एनीमिया से ग्रसित हो जाता है।

एल्बेन्डाजॉल खा लेने से यह कीड़े पेट से बाहर हो जाते हैं। इससे शरीर में आयरन की शोषक क्षमता बढ़ जाती है और शरीर में एनीमिया यानि खून की कमी दूर होती है। यह अभियान एक फरवरी को चलाया गया था। अभियान में किन्हीं कारणों से छूटे बच्चों के लिए पांच फरवरी को मापअप राउन्ड चलाया गया था।

राज्यकर्मियों को तोहफा, बढ़ा महंगाई भत्ता

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के 16.35 लाख राज्य कर्मचारियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को पहली जनवरी से मूल वेतन के 50 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता यानि डीए मिलेगा। अभी तक राज्य कर्मचारियों को मूल वेतन का 46 प्रतिशत डीए मिल रहा था।बीते दिनों केंद्र सरकार की ओर से कर्मचारियों के लिए यह निर्णय किए जाने के बाद अब राज्य सरकार ने भी यह फैसला किया है। राज्य कर्मचारियों को चार प्रतिशत की बढ़ी दर से डीए दिए जाने के प्रस्ताव को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से मंजूरी दिए जाने के बाद वित्त विभाग ने मंगलवार को इस संबंध में शासनादेश भी जारी किया है।बढ़े डीए का लाभ राज्य सरकार, सहायताप्राप्त शिक्षण व प्राविधिक शिक्षण संस्थानों और शहरी स्थानीय निकायों के सभी नियमित, पूर्णकालिक कर्मचारियों, कार्य प्रभारित कर्मचारियों और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग वेतनमानों में कार्यरत पदधारकों को मिलेगा। पहली जनवरी से 29 फरवरी तक बढ़े डीए की धनराशि कर्मचारियों के भविष्य निधि खाते जीपीएफमें जमा होगी।कर्मचारियों को मार्च के वेतन के साथ अप्रैल में डीए का नकद भुगतान किया जाएगा। राज्य कर्मचारियों को बढ़ी दर से डीए का भुगतान करने पर राज्य सरकार पर हर महीने 215 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्ययभार आएगा। शासनादेश के मुताबिक बढ़े डीए के एरियर की राशि कर्मचारियों के जीपीएफ खाते में एक मार्च 2025 तक जमा रहेगी और उसे अंतिम निकासी के मामलों को छोड़कर इस तिथि से पहले नहीं निकाला जा सकेगा।राष्ट्रीय पेंशन योजना के दायरे में आने वाले कर्मचारियों को पहली जनवरी जुलाई से 29 फरवरी तक के बढ़े डीए के एरियर की 10 प्रतिशत राशि उनके टियर-1 पेंशन खाते में जमा की जाएगी। राज्य सरकार भी इसमें एरियर के 14 प्रतिशत के बराबर अंशदान देगी, जबकि एरियर की 90 प्रतिशत धनराशि उन्हें राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में दी जाएगी।जिन अधिकारियों या कर्मचारियों की सेवाएं इस शासनादेश के जारी होने की तारीख से पहले खत्म हो गई । हों या जो पहली जनवरी 2024 से लेकर शासनादेश जारी होने की तारीख तक सेवानिवृत्त हुए हों या छह महीने के अंदर रिटायर होने वाले हों, उनको डीए के बकाये की पूरी धनराशि का नकद भुगतान किया जाएगा।

जकात देने वाले मुसलमानों से एक अपील

लखनऊ। राष्ट्रीय सामाजिक संगठन के संयोजक मुहम्मद आफाक ने साहिबे जकात मुसलमानों से अपील करते हुवे कहा की अगर पानी का नल चालू हो और उसके नीचे कितना भी बड़ा बर्तन रखा हो वो कभी न कभी जरूर भर जाता है और अगर नहीं भरता तो समझ लीजिए कि बर्तन में छेद हो गया है जो बर्तन को भरने नहीं दे रहा, उसके लिए दो तरीके हैं या तो बर्तन बदल दो या छेद बंद कर दो। अगर आप गौर करेंगे तो इस्लामी कानून के हिसाब से हर साल माहे रमजान के महीने में हजारों करोड़ रुपए गरीबों के लिए सदका जकात के नाम पर निकलता है। मो आफाक ने कहा की मौलाना अबुल कलाम आजाद यूनिवार्सिटी के सर्वे के मुताबिक हमारे भारत देश में तकरीबन 40-42 हजार करोड़ की जकात निकलती हैं सवाल ये पैदा होता है कि हर साल हजारों करोड़ रुपए गरीबों के लिए निकाला जा रहा है तो फिर मुसलमानों के अंदर से गरीबी खत्म क्यों नहीं हो रही..? आज भी सबसे ज्यादा कमजोर हमारी मुस्लिम कौम से आते हैं। और अगर ये पैसा मदरसा यानी दीनी तालीम पर खर्च हो रहा है तो 95: मुसलमानों को दीनी तालीम में काबिल हो जाना चाहिए था, जबकि हकीकत ये है कि दीनी तालीम तो छोड़ो ज्यादातर मुसलमानों को कुरान शरीफ पढ़ना या उर्दू पढ़ना लिखना भी नहीं आता हैं तो आखिर ये पैसा जाता कहां है..? आखिर छेद कहां पर है कि न गरीबी खत्म हो रही है और ना ही जहालत। आखिर में आफाक ने कहा कि जब तक इस छेद को ढूंढ कर इसे बंद नहीं किया । जाएगा तब तक कौम के हालात नहीं सम्भलेंगे।

राज्यपाल ने प्रदेश के नवनियुक्त मुख्य सूचना आयुक्त तथा दस राज्य सूचना आयुक्तों को शपथ दिलाई

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने राजभवन में नवनियुक्त मुख्य सूचना आयुक्त उत्तर प्रदेश राज कुमार विश्वकर्मा तथा दस अन्य राज्य सूचना आयुक्तों को शपथ दिलाई। जिसमें सुधीर कुमार सिंह, गिरजेश कुमार चौधरी, डॉ दिलीप कुमार अग्निहोत्री, पदुम नारायण (द्विवेदी), स्वतंत्र प्रकाश, मोहम्मद नदीम, राजेन्द्र सिंह, शकुंतला गौतम, राकेश कुमार व वीरेन्द्र प्रताप सिंह को शपथ दिलाई गई। राज्यपाल ने नवनियुक्त मुख्य सूचना आयुक्त तथा सभी सूचना आयुक्तों को नवीन उत्तरदायित्व प्राप्त होने पर बधाई और सफल कार्य सम्पादन हेतु शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश प्रशांत कुमार, प्रमुख सचिव प्रशासनिक सेवा एवं सचिवालय प्रशासन के रवीन्द्र नायक, सचिव उत्तर प्रदेश सूचना आयोग जेपी चौरसिया, रजिस्ट्रार सूचना आयोग संदीप गुप्ता सहित अन्य

अधिकारीगण तथा नवनियुक्त मुख्य सूचना आयुक्त एवं राज्य सूचना आयुक्तों के परिजन भी उपस्थित थे।

मनरेगा में सामग्री हेतु 06 अरब 34 करोड़ स्वीकृत

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में उत्तर प्रदेश शासन ग्राम्य विकास विभाग द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अन्तर्गत सामग्री मद में प्रथम भाग की तृतीय किस्त की 6,34,79,66,666 रूपये पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुये ग्राम्य विकास आयुक्त के निवर्तन पर रखे जाने एवं व्यय किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इस सम्बन्ध में आवश्यक शासनादेश उत्तर प्रदेश शासन ग्राम्य विकास विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि स्वीकृत धनराशि का ससमय सदुपयोग नियमानुसार निर्धारित दिशा-निर्देशो के अनुरूप किया जाए। जारी शासनादेश में निर्देश दिए गये हैं कि धनराशि के आहरण व व्यय के सम्बन्ध में मितव्ययिता सम्बन्धी समय समय-समय पर निर्गत शासनादेशों व वित्तीय नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

लखनऊ विश्वविद्यालय में भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्व विद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग एवं आदि दृश्य विभाग इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रदर्शनी में डॉ एसबी ओटा पूर्व ज्वाइंट डीजी भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने पेन्टेड रॉक सेल्टर विषय पर सारगर्भित एवं व्याख्यान दिया। व्याख्यान के पूर्व प्रो प्रशांत श्रीवास्तव ने विषय-वस्तु पर प्रकाश डाला। इसके अन्तर्गत इन्होंने भारत में शैलचित्र कला की प्राचीनता, उसकी विषयवस्तु, कलात्मक शैली, रंग-योजना इत्यादि पर प्रकाश डाला और यह भी बताया कि आज की स्थितियों में इन कलाकृतियों को कैसे परिरक्षित किया जाये। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग इसके लिए कई योजनाओं को संचालित कर रही है। भीमबेटका (विश्व धरोहर स्थल) के प्रागैतिहासिक जमाव के उत्खनन से

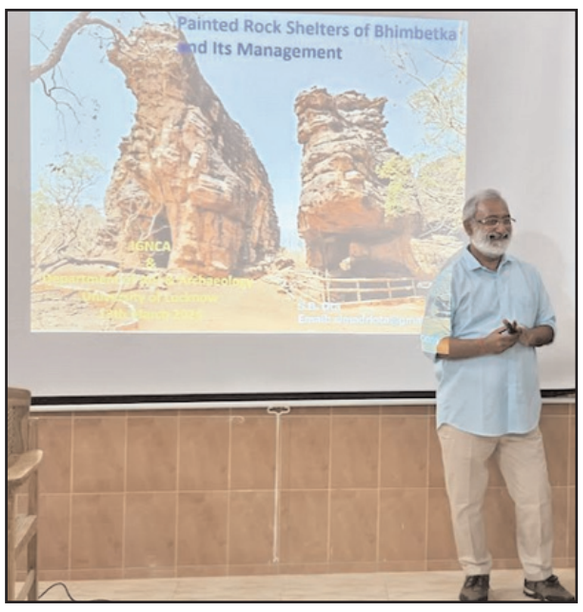

विभिन्न संस्कृतियों के कालक्रम के संदर्भ में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होती है। भीमबेटका ऐसा पुरास्थल है जहां निम्न पुरापाषाण (वह काल जबसे भारत व विश्व में लोगों के रहने के साक्ष्य मिलते हैं) काल से लेकर वर्तमान में भी लोग निवास कर रहे हैं।

शिया पीजी कालेज में हुई भारत-अमेरिका सम्बन्धों पर संगोष्ठी

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

लखनऊ। शिया पी0 जी0 कालेज, लखनऊ में भारत और अमेरिका के बीच सम्बन्धों पर एक व्याख्यान का आयोजन खतीब-ए-अकबर पुस्तकालय में हुआ। इस व्याख्यान में मुख्य वक्ता अमेरिकन एम्बेसी के प्रेस आफिसर जॉन स्लोवर रहे।जॉन स्लोवर ने अपने सम्बोधन में कहा कि अंतरराष्ट्रीय सम्बन्ध शतरंज बोर्ड की तरह है जहां देशों के बीच में बहुत कुछ चल रहा है लेकिन यह बात भी जानना आवश्यक है कि विभिन्न देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय सम्बन्ध वहां के नागरिकों के ऊपर निर्भर होता है। इस समय लगभग 2 लाख 73 हजार से ज्यादा भारतीय छात्र,छात्रायें अमेरिका के विभिन्न विश्वविद्यालयों में अध्ययर कर रहे हैं, और 4 मिलियन से ज्यादा भारतीय वर्तमान समय में अमेरिका में निवास कर रहे हैं। भारत और अमेरिका के रिश्तों पर आगे बोलते हुए जॉन ने कहा कि भारतीय अमेरिकी बड़ी तेजी से विकास कर रहे हैं जिसका उदाहरण अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस हैं। वहीं

आप यह भी देख सकते हैं कि बड़ी-बड़ी टेक कंपनियों में भारतीय मूल के अधिकारी उच्च पदों पर आसीन हैं। 2023 भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते संबंधों का साल रहा है, जहां अमेरिका और भारत में रक्षा के क्षेत्र में टेक्नोलॉजी व ड्रोन आदि को बनाने में एक दूसरे का सहयोग किया है। यही नहीं हम पर्यावरण, अंतरिक्ष और कई क्षेत्रों में साथ काम कर रहे हैं। यह सब तभी सम्भव हुआ है, जब दोनों ही देशों के बीच भरोसा बढ़ा है। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के छात्रों को नसीहत देते हुए जॉन स्लोवर ने कहा कि इस समय दुनिया की जो स्थिति है, वहाँ लोग जवाब तलाश रहे हैं। ऐसे समय में अच्छे पत्रकारों की जरूरत है, जो लोगों को वास्तविक स्थिति व खबरों से अवगत कराकर सच्चाई को सामने ला सके। वरिष्ठ पत्रकार जहीर मुस्तफा ने अपने सम्बोधन में भारत और अमेरिका के बीच अभी तक जो रिश्तें रहे हैं, उस पर प्रकाश डालते हुए विभिन्न ऐतिहासिक घटनाओं के बारे में बताया। इस कार्यक्रम का आयोजन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, शिया पी0 जी0 कॉलेज, लखनऊ के तत्वाधान में किया गया था। व्याख्यान का संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के समन्वयक डॉ0 प्रदीप शर्मा द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन विभाग के शिक्षक डॉ0 सै0 हुज्जत रजा ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत में अतिथियों को पुष्पगुच्छ देकर एवं शाल पहनाकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर आल इण्डिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव, मौलाना यासूब अब्बास, सम्पत्ति अधिकारी डॉ0 एजाज अब्बास, यूएस एम्बेसी के मीडिया सलाहकार सै0 जफर मेंहदी, प्रो0 बी0 बी0 श्रीवास्तव, प्रो0 जर्रीन जेहरा रिजवी, प्रो0 आगा मंसूर, डॉ0 रजा शब्बीर, डॉ0 सीमा राना, डॉ0 अम्बरीश, डॉ0 राबिन वर्मा सहित भारी संख्या में शिक्षक व छात्रध्छात्रायें उपस्थित रहे।

राजभर का बढ़ा कद, कई मंत्रियों का भार हुआ कम

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार में नए मंत्री ओम प्रकाश राजभर को विभागों के बटवारे में खास तवज्जो मिली है। उन्हें दो महत्वपूर्ण विभाग पंचायती राज व अल्पसंख्यक कल्याण विभाग मिले हैं। राजभर का कद अब बढ़ गया है। अन्य सहयोगी रालोद के साथ ऐसा नहीं हुआ। राज्यमंत्री अजीत पाल अब विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री व आईटी मंत्री से संबद्ध हो गए। कारागार विभाग के राज्यमंत्री अब नए कारागार कैबिनेट मंत्री दारा सिंह से संबद्ध हो गए हैं। ओम प्रकाश राजभर को खासी अहमियत मिली है। उन्हें पिछली बार पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग दिया गया था। इस विभाग को कई अहम विभागों के मुकाबले कम महत्व का माना जाता है। बाकी तीन मंत्रियों को दिए गए विभाग अपेक्षाकृत हल्के माने जाते हैं।

रालोद के कोटे से मंत्री बने अनिल कुमार को हल्का विभाग विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी दिया गया है जबकि भाजपा के सुनील शर्मा को भी हल्का विभाग इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मिला है।नए मंत्रियों को विभाग देने के लिए मुख्यमंत्री ने दूसरे मंत्रियों के विभाग कम दिए। इससे एक ओर नए मंत्रियों के लिए विभागों का इंतजाम हो गया तो दूसरी ओर कुछ मंत्रियों का कद भी छांट दिया गया। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को विभाग देने के लिए दूसरे मंत्रियों के विभागों में कटौती कर दी। इन मंत्रियों के पास दो-दो विभाग थे। इन मंत्रियों में योगेंद्र उपाध्याय, धर्मपाल सिंह, स्वतंत्र प्रभार के राज्यमंत्री धर्म वीर प्रजापति हैं। तीनों का बोझ हल्का किया गया है। धर्मवीर प्रजापति से कारागार लिया गया है। उनके पास होमगार्ड पहले से ही था। अब नागरिक सुरक्षा विभाग भी दिया गया है। धर्मपाल सिंह के पास अब अल्पसंख्यक कल्याण हट गया और पशुधन विभाग, दुग्ध विकास व राजनैतिक पेंशन विभाग बचा है। योगी मंत्रिमंडल में एके शर्मा को कद्दावर मंत्री माना जाता है। नौकरशाह रह चुके एके शर्मा बतौर मंत्री नगर विकास के साथ-साथ ऊर्जा विभाग संभाल रहे हैं। इसके अलावा उनके पास अतिरिक्त ऊर्जा विभाग भी हैं। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के पास ग्राम विकास, खाद्य प्रसंस्करण, सार्वजनिक उद्यम विभाग है तो उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के पास चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण विभाग हैं। मंत्री जयवीर सिंह के पास पर्यटन व संस्कृति विभाग हैं। मंत्री राकेश सचान के पास एमएसएमई, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग विभाग हैं। वैसे ज्यादातर मंत्रियों के पास अब एक-एक विभाग ही है।मुख्यमंत्री ने अपने पास 35 विभाग रखे हैं। इनमें नियुक्ति, कार्मिक, गृह, सतर्कता, आवास एवं शहरी नियोजन, राजस्व, खाद्य एवं रसद, नागरिक आपूर्ति, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, भूतत्व एवं खनिकर्म, अर्थ एवं संख्या, राज्य कर एवं निबन्धन, सामान्य प्रशासन, सचिवालय प्रशासन, किराया नियंत्रण, प्रोटोकॉल, सैनिक कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल, नागरिक उड्डयन, न्याय एवं विधायी विभाग धर्मार्थ कार्य शामिल हैं।

राज्यकर्मचारी संयुक्त परिषद ने घोषित किया मतदाता जागरण अभियान का कार्यक्रम

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

लखनऊ । राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने लोकसभा चुनाव में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से कर्मचारियों के माध्यम से मतदाता जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इस आशय की जानकारी आज लखनऊ में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में दिया है। उन्होंने अवगत कराया है कि एक मजबूत लोकतंत्र के लिए अधिक से अधिक मतदान की आवश्यकता होती है। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का पूरा प्रयास है कि लोकसभा में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की जनपद शाखाओं को निर्देश भेजे जा रहे हैं।

ग्रामीण होम-स्टे का चलन बढ़ाने के लिए पर्यटन विभाग गॉवों में बढ़ा रहा सुविधायें

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

लखनऊ। ग्रामीण पर्यटन के क्षेत्र में आगंतुकों को बेहतर अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से यूपी पर्यटन विभाग ने विभिन्न ग्रामीण होमस्टे प्रदाताओं के साथ अनुबंध किया है। ये होमस्टे स्थानीय संस्कृति और लोककलाओं के साथ व्यंजनों से जुड़े अनूठे फार्म स्टे का अनुभव प्रदान करते हैं। अयोध्या से केवल 70 किलोमीटर दूर बस्ती में 'माइ मॉम ग्रामीण होमस्टे' और बांदा जिले के उदयपुरवा में ईको-विलेज परियोजना के तहत 'गुलमोहर ग्रामीण होमस्टे' ऐसा ही उदाहरण है। इन होम स्टे में 4-5 कमरे होते है, जिनमें सभी मूलभूत सुविधाएं होती है। पर्यटन विभाग ग्रामीण और प्रमुख गंतव्यों के निकट फार्म स्टे की स्थापना के लिए पर्यटन नीति 2022 अन्तर्गत सब्सिडी भी प्रदान कर रहा है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा कतिपय चयनित गांवों को ग्रामीण पर्यटन केंद्रों में तब्दील किया जा रहा है, जो संस्कृति के साथ ग्रामीण पर्यटन का विशिष्ट अनुभव प्रदान करते हैं। इंटरनेट कनेक्टिविटी होने के साथ, ये हब आगंतुकों को एक्सपिरियन्स टूरिजम का अनुभव प्रदान करते हैं। पर्यटक ग्रामीण परिवेश के शुद्ध वातावरण में समय बिताने के साथ मौसमी फसलों और बाग-बगीचों से भी परिचित होंगे। ग्रामीण जीवन की अपनी विशिष्ट संस्कृति होती है। आस्थाओं, मान्यताओं तथा विविध गतिविधियॉ ग्रामीण जीवन को अनूठा बनाती हैं। होम स्टे के माध्यम से आगन्तुकों को ग्रामीण अंचलों की विभिन्न गतिविधियों से परिचित होने का अवसर प्राप्त होता है। उत्तर प्रदेश अपनी सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक स्मारकों और प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। प्रदेश में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। ग्रामीण पर्यटन का चलन तेजी से बढ़ रहा है। लोग शहरी प्रदूषण और भागमभाग जिंदगी की व्यवस्तताओं से छुटकारा पाकर शांति की तलाश में प्रकृति के बीच ग्रामीण परिवेश में समय बिताकर तरोताजा होने के उद्देश्य से ग्रामीण पर्यटन की ओर आकर्षित हो रहे हैं। आज यूपी के गॉव तक बदलाव की लहर पहुंच चुकी है। गॉव अपनी प्राचीन विरासत को अक्षुण्ण रखते हुए आधुनिकता की दौड़ में शामिल हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश में ग्रामीण कृषि-पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। राज्य में देश के सबसे अधिक गाँव हैं, जिनमें से प्रत्येक गाँव ग्रामीण जीवन और कृषि पद्धतियों की एक अनूठी झलक पेश करता है। ग्रामीण पर्यटन और एग्रो टूरिज्म के बढ़ते चलन को देखते हुए उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने ग्रामीण और कृषि-पर्यटन विकास के लिए 229 गांवों की पहचान की है। इन ग्रामों में ठहरने और अन्य मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए विभाग द्वारा कार्य कराया जा रहा है।

जिसका उद्देश्य स्थानीय कला, शिल्प और रोजगार को बढ़ावा देना है। यूपी प्राचीनता एवं आधुनिकता के संगम का अदभुत मॉडल है। जगह-जगह पर नयी बोली, भाषा, स्थानीय व्यंजन, परिधान तथा लोक कलायें बिखरी पड़ी हैं।

पुलिस भर्ती परीक्षा का पेपर लीक करने वालें आरोपी को उत्तर कुंजी के साथ किया गिरफ्तार

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

लखनऊ। एसटीएफ यूपी को उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा का पेपर लीक कराने वाले गिरोह के एक सदस्या को गिरफ्तार करने में कामयाबी मिली है। पिछले दिनों आयोजित की गई पुलिस भर्ती परीक्षा के पेपर लीक होने के बाद से यूपी एसटीएफद्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई करते हुए यूपी पुलिस ने पेपर लीक गिरोह के खिलाफ एफ्आईआर दर्ज की थी। एफ्आईआर दर्ज करने के बाद लगातार गिरफ्तारियां हो रही हैं। इसी बीच एसटीएफ को महेन्द्र शर्मा पुत्र रामफल को गिरफ्तार करने में कामयाबी मिली है। गिरफ्तार आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन, प्रश्नपत्र, उत्तर कुंजी बरामद की है। आरोपी को पिलुखेडा रेलवे फाटक के पास स्थित भारतीय स्टेट बैंक की बेसमेंट में बनी दुकान से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ पर पता चला कि कि इस कार्य

में महेन्द्र पुत्र रामफल निवासी हरियाणा भी शामिल रहा है। जो वर्तमान में हरियाणा में छिपा हुआ है।गिरफ्तार आरोपी महेन्द्र शर्मा ने पूछताछ पर बताया कि दिनांक 15-02-2024 को उसके गांव के विक्रम पहल ने उसे इस काम में शामिल किया। यह दिल्ली पुलिस में काम करता है। विक्रम मुझे अपने साथ मानेसर गुरूग्राम स्थित रिसोर्ट लेकर गया था। जहां पर उसने बताया कि यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा का प्रश्न-पत्र आने वाला है। पेपर लीक कराने के काम में मेरा सहयोग करो तुमको भी एक दो लाख रूपये दूंगा। गुरूग्राम स्थित रिसोर्ट में करीब 300-400 परीक्षार्थी पहले से मौजूद थे तथा 10-12 बसों से अन्य परीक्षार्थी को लेकर गौरव चौधरी रिसोर्ट में आया था। रिसोर्ट का मालिक भी पहले से ही वहां मौजूद था। करीब 1000 परीक्षार्थी रिसोर्ट में आ चुके थे। जिसके बाद विक्रम पहल ने सबके साथ मीटिंग की। दिनांक 16-02-2024 को लगभग 11 बजे विक्रम पहल अपने साथियों के साथ यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा दिनांक 18-02-2024 की द्वितीय पाली का प्रश्न-पत्र व उत्तरकुंजी लेकर आया। उसके साथ मोनू शर्मा एवं कुछ अन्य लोग भी आये थे। विक्रम पहल लगातार अपने साथियों के सम्पर्क में था, जिनसे पुलिस भर्ती परीक्षा के प्रश्न-पत्र आउट कराने को लेकर बात चल रही थी। अभिषेक शुक्ला व रवि के सम्पर्क में विक्रम पहले से था। क्योंकि कुछ दिनों पहले ही दिल्ली में किसी स्थान पर इन लोगों की यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा का पेपर आउट कराने व ज्यादा से ज्यादा अभ्यर्थियों को गुरूग्राम स्थित रिसोर्ट में एकत्र करके उनको पेपर पढ़वाने की बात हुई थी।

संक्षिप्त समाचार

लोकसभा चुनाव को लेकर प्रत्याशियों के चयन के लिए समिति का गठन

लखनऊ। अखिल भारत हिन्दू महासभा, उत्तर प्रदेश प्रदेश कैंप कार्यालय, कुर्सी रोड में लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर बैठक हुई। जिसमें उत्तर प्रदेश की सभी सीटों पर चुनाव लड़ने को लेकर प्रत्याशियों का चयन संबंधित पांच सदस्यीय लोकसभा चुनाव समिति का गठन किया गया। जिसमें हिन्दू महासभा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष ऋषि कुमार त्रिवेदी, चंद्रमौली शुक्ला, राजकुमार सिंह, सिद्धार्थ दुबे, संजय श्रीवास्तव को सदस्य बनाया गया है। बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने बताया कि प्रदेश की चयन समिति लोकसभा प्रत्याशियों का चयन कर सूची तैयार कर राष्ट्रीय कार्यालय को जल्द प्रेषित करेगी। मालूम हो कि हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणि ने पूरी तैयारी के साथ आगामी लोकसभा चुनाव में उतरने की घोषणा कर चुके हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा के बाद से हिन्दू महासभा उत्तर प्रदेश इकाई राज्य में चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी है जिसके परिप्रेक्ष्य में आज बैठक कर उत्तर प्रदेश में प्रत्याशियों के चयन के लिए चयन समिति का गठन किया गया।

नो स्मोकिंग डे पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन,तम्बाकू न सेवन करने की अपील

लखनऊ। नो स्मोकिंग डे के अवसर पर डा ब्रजेश राठौर महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में डा. बीपीएस कल्याणी निदेशक (स्वास्थ्य), राज्य नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम, संयुक्त निदेशक (मुख्यालय), राज्य कार्यक्रम अधिकारी, एनपी-एनसीडी, संयुक्त निदेशक(दन्त), सतीश त्रिपाठी, राज्य सलाहकार, एनटीसीपी, विवेक अवस्थी यूपीवीएचए एवं महानिदेशालय के अन्य अधिकारीगण व कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर राज्य नोडल अधिकारी बताया गया तम्बाकू सेवन जनस्वास्थ्य के लिए एक बड़ी समस्या के रूप में वैश्विक स्तर पर उभर रहा है। तम्बाकू का सेवन किसी भी रूप में किया जाए, स्वास्थ्य के लिए अत्यन्त हानिकारक है। तम्बाकू सेवन से अनेक बीमारियां होती है। जिसमें नपुंसकता व बांझपन एवं कैंसर प्रमुख रूप से है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य परिवार सर्वेक्षण के अनुसार उत्तर प्रदेश में तम्बाकू उपभोगकर्ता 44.1 प्रतिशत है। जो कि अत्यन्त भयावह स्थिति है। जिससे भविष्य में अनेक असंचारी रोगों को बढ़ावा मिलेगा। डा. बीपीएस कल्याणी, निदेशक (स्वास्थ्य), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदेश में संचालित सिगरेट एवं अन्य तम्बाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध और व्यापार तथा वाणिज्य, उत्पाद, प्रदाय और वितरण व अधिनियम के विषय मे बताया। डा ब्रजेश राठौर द्वारा सभी उपस्थित प्रतिभागियों को स्वयं तम्बाकू किसी भी रूप में प्रयोग न करने की शपथ दिलाई गयी।

कम्प्रेस्ड बायोगैस के उत्पादन को लेकर हुई बैठक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य जैव ऊर्जा नीति-2022 के अन्तर्गत लखनऊ में कम्प्रेस्ड बायोगैस के उत्पादन हेतु फीड स्टाक के रूप में नेपियर घास की खेती को बढ़ावा देने साथ ही कृषकों को प्रेरित करने के लिए मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में बैठक विकास भवन सभागार में की गई। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा बायोगैस उत्पादन हेतु नेपियर घास के विषय मे बताया प्रति वर्ष प्रति एकड़ 150 से 200 टन नेपियर घास की उपज प्राप्त की जा सकती है। जहां पर सिंचाई की सुविधा न हो। वहां भी नेपियर घास की खेती की जा सकती है। एक बार नेपियर घास लगाने के बाद 4 से 5 वर्ष तक फसल देती है। बुआई के बाद पहली फसल 50 से 60 दिनों में तैयार हो जाती है। जिसकी कटाई 40 से 45 दिनों के अन्तर पर की जा सकती है। इसकी खेती से किसानों की आय में काफी बढ़ोत्तरी होगी। मुख्य विकास अधिकारी ने कार्यकम के प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए।

समाजवादी मजदूर सभा द्वारा बढ़ती मंहगाई को प्रदर्शन कर,एक दिवसीय भूख-हड़ताल रखा

लखनऊ। समाजवादी मजदूर सभा द्वारा भाजपा सरकारी में बढ़ी महंगाई के खिलाफ़ बेरोजगारी और सरकारी संस्थानों का निजीकरण व निगमीकरण को लेकर परिवर्तन चौक पर प्रदर्शन किया गया। समाजवादी मजदूर सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल निगम वारसी ने बताया बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर के संविधान में दिए गए आरक्षण को खत्म करने की साजिश के विरोध में समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय मजदूर सभा की तरफसे एक दिवसीय भूख हड़ताल रखी। जिसमें सन्तोष यादव प्रमुख महासचिव प्रतापगढ़, फरजान रईस हैदर राष्ट्रीय महासचिव, युदुवेन्द्र प्रताप सिंह राकेश निषाद सभासद सहित कई लोग मौजूद रहे।

वीरांगना उदा देवी इंटर कॉलेज के बच्चों ने किया शैक्षिक भ्रमण

लखनऊ। वीरांगना उदा देवी इंटर कॉलेज विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. (डॉ) बी डी सिंह व अतिरिक्त छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ अभिषेक तिवारी के निर्देशन में स्कूल से आए हुए बच्चों के लिए करिअर काउंसलिंग व नई शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में विविध करियर के अवसरों के उद्भव के शिखर के विषय में चर्चा की गई। कार्यक्रम की शुरुआत में प्रो डॉ बी डी सिंह ने बच्चो को समय की महत्ता के बारे में बताया और डॉ अभिषेक ने बच्चों को विश्विद्यालय की प्रवेश परीक्षा की। प्रकिया और अन्य विभिन्न तरह के पाठ्यक्रम जोकि कक्षा 12 के बाद विश्विद्यालय में उपलब्ध है। उन सभी के बारें मे बताया। आगे कार्यक्रम मे डॉ आलोक यादव ने बच्चों को विधिक साक्षरता व उनके अधिकार, कर्तव्य के बारे मे अवगत कराया।

देश में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की कोशिश कर रही है मोदी सरकार: रामगोविंद चौधरी

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पूर्व नेता प्रतिपक्ष उत्तरप्रदेश रामगोविंद चौधरी ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय का फैसला और एसबीआई द्वारा तथ्य छुपाने की कोशिश से साबित हो चुका है कि इलेक्टोरल बान्ड के माध्यम से मोदी सरकार ने भाजपा के लिए साढ़े छह हजार करोड़ से अधिक रुपए का भयादोहन किया है। भयादोहन से आम आदमी का ध्यान हटाने के लिए सरकार सीएए के माध्यम से पूरे देश में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की कोशिश कर रही है। सरकार की कोशिश देश हित में नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय को मोदी सरकार की इस कोशिश को स्वत: संज्ञान में लेकर मोदी सरकार के उन फैसलों की समीक्षा करनी

चाहिए जो सन् 2024 के जनवरी, फरवरी और मार्च में लिए गए हैं।आज बुधवार को अपने लखनऊ आवास पर पत्रकारों और समाजवादी साथियों से हुई बातचीत में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पूर्व नेता प्रतिपक्ष उत्तर प्रदेश रामगोविंद चौधरी ने कहा है कि मोदी सरकार को चुना तो जनता ने था लेकिन वह काम केवल कारपोरेट जगत के हित में कर रही है। इलेक्शन बांड के माध्यम से भयादोहन इसका जीता जागता उदाहरण है। उन्होंने कहा है कि इस सरकार को रोका नहीं गया तो देश का सबकुछ कुछ लोगों के हाथ में चला जाएगा। समाजवादी पार्टी के सचिव पूर्व नेता प्रतिपक्ष उत्तरप्रदेश रामगोविंद चौधरी ने कहा है कि मोदी सरकार ने जिस तरह से सीएए कानून को लागू किया है, उसी तरह से वह अपने कार्पोरेट मित्रों को और अधिक उपकृत करने के लिए कृषि के उन तीनों काले कानूनों को भी लागू करेगी जिसे जन दबाव की वजह से उसे वापस लेना पड़ा था। उन्होंने कहा है कि अपनी इसी मंशा के तहत इस समय पद बांट रही है और राज्य सरकारों को भी ताश के पत्ते की तरह फेट रही है।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पूर्व नेता प्रतिपक्ष उत्तर प्रदेश रामगोविंद चौधरी ने कहा है कि लोकसभा चुनाव की घंटी बजने वाली है। उस चुनाव आयुक्त का अचानक इस्तीफा जिसका चयन खुद मोदी सरकार ने किया था, कोई मामूली घटना नहीं है। इसे लेकर हर लोकतन्त्र समर्थक को सतर्क रहना चाहिए। लोकसभा चुनाव काफी संवेदनशील है। इस चुनाव में किसी तरह की चूक हुई और ईवीएम या किसी प्रकार से यह सरकार वापस आई तो देश का यह अंतिम चुनाव होगा। इसलिए हम समजवादी साथियों को और अधिक सावधान रहने की जरूरत है।

जब घूंघट डॉलकर अस्पताल पहुंची आईएस अफसर, खुली व्यवस्था की पोल

लखनऊ। फिल्मों में देखा होगा कि कोई अफसर औचक निरीक्षण करने के लिए गोपनीय तरीके से मौके पर पहुंच जाए, जिससे कोई उसे पहचान नहीं सके। लेकिन उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में ऐसा रियल में हुआ है।आईएए अफसर कृति राज एक सरकारी अस्पताल के हालात देखने के लिए घूंघट डालकर मरीज बनकर पहुंच गईं। मामला फिरोजाबाद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दीदामई का है। जहां कुछ दिन पहले आईएएस ऑफिसर कृति राज शिकायत मिली थी कि यहां पर मरीजों से अस्पताल का स्टॉफ और डॉक्टर ना तो ठीक से व्यवहार करते हैं और ना ही समय पर इलाज करते हैं। एक मरीज ने बताया था कि वह एंटी रेबीज के इंजेक्शन लगवाने के लिए यहां पहुंचे थे। अस्पताल में मरीजों की लंबी लाइन लगी थीं, लेकिन डॉक्टर नदारद थे। बस इसी शिकायत पर हकीकत जानने एसडीएम मौके पर पहुंची थीं। आईएएस ऑफिसर कृति राज अस्पताल पहुंची तो चुपचाप घूंघट डालकर लोगों की लाइन में पर्ची कटवाने के लिए लाइन में लग गईं। कुछ देर बाद पर्ची कटवाई और डॉक्टर से मुलाकात भी हो गई, लेकिन डॉक्टर ने उनके साथ ठीक से व्यवहार नहीं किया। इसके अलावा और भी कई ऐसी सीन देखने को मिले जो नियमों के खिलाफ थे। काफी दवाईयां एक्सपायर होने के बाद भी स्टोर में रखी हुई थीं। जब वो मरीज के भर्ती वाले वार्ड में पहुंची तो वहां पर गंदगी का अबार था। शौचालय, बेडशीट सब गंदे थे। इतना ही नहीं रजिस्टर देखा तो उसमें अस्पताल के कई कर्मचारियों के साइन थे। लेकिन उसमें से अधिकतर स्टॉफ गायब था। मामला 12 मार्च का है जब आईएएस ऑफिसर कृति राज अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंची थीं।

सीएचसी में टीकाकरण करने में लापरवाही, नर्स ने बच्ची की जगह मां को सुई लगाई

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के अलीगंज सीएचसी में बच्चे को वैक्सीन लगाने के दौरान हुई लापरवाही के मामले में सीएचसी ने जांच के आदेश दिए हैं। मंगलवार को यहां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बच्ची के टीकाकरण के दौरान नर्स ने मां को इंजेक्शन लगा दिया। बाद में उसी नीडल से बच्ची को भी डोज दे दी। इसके बाद सीएचसी में जमकर हंगामा हुआ। प्रकरण की लिखित शिकायत सीएचसी अधीक्षक से कर सख्त कार्रवाई करने की मांग की गई थी। इस बीच बुधवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी की तरफ से प्रकरण की जांच के आदेश दिए गए हैं। लखनऊ के मडियांव निवासी अमन मिश्रा अपनी भाभी के साथ उनकी साढ़े तीन माह की बच्ची को नियमित टीका लगवाने पहुंचे थे। करीब साढ़े बारह बजे नर्स निर्मला जोशी ने बच्ची की जगह मां को ही टीका लगा दिया। इस बीच जब मां ने बताया कि बच्ची की टीका लगना हैं तो उसी ब्लड लगी निडिल से बच्ची के भी टीका लगा दिया। अलीगंज सीएचसी के अधीक्षक डॉ. सोमनाथ सिंह ने बताया कि बच्ची को टीका लगाने के दौरान कुछ गड़बड़ी हुई। नर्स से पूछताछ कर कार्रवाई की जाएगी। वही सीएचसी डॉ. मनोज अग्रवाल ने बताया बच्चों के नियमित टीकाकरण के लिए जो सिरिंज प्रयोग में लाई जाती है वह सिंगल यूज सिरिंज ही होती हैं। उसे दोबारा नहीं यूज किया जा सकता। जो जानकारी मिल रही हैं इंजेक्शन लगाने के दौरान हाथ हटाने से ये हुआ हैं। पर प्रकरण की जांच के लिए डॉ. गोपिकांत की अगुवाई में टीम गठित की गई हैं। नर्स से पूछताछ की जा रही। पीड़ित पक्ष से भी बात होगी। यदि लापरवाही मिली तो कार्रवाई तय हैं।

अवध के राम को दिल में बसाता और रंगों को सजाता शुरू हुआ अवध लोकोत्सव

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

लखनऊ। भारतोदय संस्था एवं संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से प्रस्तुत दो दिवसीय अवध लोक उत्सव 13 मार्च से अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध संस्थान गोमतीनगर में अवध के अनेक रंगों को सजाता हुआ आरम्भ हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डॉ0 पूर्णिमा पाण्डेय द्वारा दीप प्रज्वलन एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। दीप गीत को स्वर दिया अर्चना सक्सेना एवं निधि सक्सेना ने। अतिथि का स्वागत गिरीश चन्द्र मिश्र (सचिव) भारतोदय द्वारा हुआ। विभिन्न लोकगीतों एवं लोक संस्कृति पर आधारित संगीत, नृत्य को मंच पर प्रस्तुत किया गया। विभा सिंह एवं अतुल तिवारी के भजन गीत जहां रस बरसा रहे थे, वहीं दूसरी ओर उर्मिला पाण्डेय द्वारा नृत्य प्रस्तुति में कई रंग बिखरे। अपराजिता मंच के बाल

कलाकारों ने अनुष्का भटनागर के निर्देशन में राममय सुन्दर प्रस्तुति दी। अवध में राम के जन्म को मंच पर साकार किया जूही के नृत्य ने। कार्यक्रम का मनमोहक संचालन डॉ अनुपमा श्रीवास्तव द्वारा किया गया कार्यक्रम में कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे जिनमें कमलेश मौर्य, अमित कुमार, देवेन्द्र त्रिपाठी संस्था के उपाध्यक्ष शिवासिंह, अध्यक्ष राम प्रसाद वर्मा, सीताराम कश्यप, पदमकान्त शर्मा एवं अविनाश कुमार आदि मुख्य रूप से शामिल हुए। प्रस्तुति नियंत्रक शिवम मिश्रा एवं प्रचार-प्रसार चन्द्रभाष का रहा।

भारत के सनातनी गौरव का उत्थान हमारा उद्देश्य: शंकर महादेव

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

लखनऊ। जिला स्थित पिपरगंवा ग्राम करौली स्थित लव-कुश आश्रम के करौली धाम के शंकर महादेव के नाम से विश्व विख्यात गुरुजी (संतोष सिंह भदोरिया) वर्षों से अपने दैनिक आध्यात्मिक कार्यों व सनातन धर्म की दिशा में वैदिक रीति रिवाज से देश-विदेश के जन कल्याणकारी कार्यक्रमों के तहत देश-विदेश में खास चर्चा का विषय बने रहते हैं। गत वर्ष भी असाध्य रोगियों को वैदिक रीति नीति से मात्र एक ही दिन में चंगा करने को लेकर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय टी-वी चौनलों में करौली सरकार के शंकर महादेव गुरुजी काफी सुर्खियों में रह चुके हैं। इसी कड़ी में उन्होने तपस यात्रा के जरिये अपने रास्ते को तैयार करते हुए पूरे भारत को नशा मुक्त, रोग

मुक्त, शोक मुक्त भारत का संदेश देने का लक्ष्य तय किया है। जिसके तहत उन्होंने कठिन व जटिल तपस्या यात्रा व दंडवत यात्रा करने का क्रम पिछले कई महीने से जारी कर रखा है।इसी संकल्प के तहत अब स्वयं करौली शंकर महादेव अपनी तपस्थली के आसन से उठकर स्वयं ''लव कुश आश्रम'' करौली सरकार धाम से पैदल चलकर कानपुर के सरसैया घाट तक शोक मुक्त-रोग मुक्त-नशा मुक्त भारत के संकल्प को लेकर पदयात्रा करने का बीड़ा उठाया है। करौली सरकार के समर्थन में पूरे देश में गुरु जी'' के निर्धारित लक्ष्य को लेकर दिन रात शंकर सेना के सदस्य समर्पित हैं। शंकर सेना उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष सुबोध चोपड़ा ने बताया कि यह ''तपस यात्रा'' खास करके उन लोगों की है जो आज गुरु जी की शरण में है वह इस तपस यात्रा में अपनी मनोकामनाओं को पूर्ण करने के लिए सतत प्रयास रत हैं। इसी ''तपस यात्रा'' के गर्भ में करौली सरकार के शंकर महादेव ने एक संकल्प उठाया है कि भारत एक सनातन देश है और यहां सनातन धर्म का प्रचार प्रसार करना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। भारत देश की सनातनी गौरव को पूरे विश्व में फैलने का संदेश देने का कार्य है। तपस यात्रा करौली आश्रम से चलकर सरसैया घाट पर यह ''तपस यात्रा'' समाप्त हुई।

संपादकीय

पारदर्शी लोकतंत्र

पारदर्शी लोकतंत्र में चुनावी चंदे की शुचिता को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अख्तियार करते हुए स्टेट बैंक को हीलाहवाली के लिये आड़े हाथों लिया। चीफजस्टिस डी.वाई.चंद्रचूड़ ने बैंक की तरफसे पेश दिग्गज वकील हरीश साल्वे की हर दलील को खारिज किया। बॉन्ड की जानकारी देने के बाबत और वक्त मांगने की दलील को खारिज करते हुए पांच सदस्यीय पीठ की अगुवाई कर रहे जस्टिस चंद्रचूड़ ने एसबीआई को निर्देश दिया कि वह बारह मार्च तक इलेक्टोरल बॉन्ड के खरीददारों और लाभान्वित होने वाले राजनीतिक दलों के बारे में जानकारी पेश करे। साथ ही 15 मार्च तक चुनाव आयोग इस बारे में डिटेल अपनी वेबसाइट पर अपलोड करे। ताकि वास्तविक तस्वीर जनता के सामने उजागर हो सके। उल्लेखनीय है कि गत पंद्रह फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम को असंवैधानिक घोषित कर दिया था। साथ ही स्टेट बैंक को निर्देश दिया था कि गत छह साल से चल रही इस स्कीम के तहत डोनेशन देने वालों और लाभान्वित होने वालों के नामों की जानकारी चुनाव आयोग को छह मार्च तक उपलब्ध कराए। संवैधानिक बैंच ने बैंक को निर्देश दिये थे कि वह बताए कि किस तारीख को यह बॉन्ड किसने खरीदा और कितने का खरीदा और किस तारीख को किस दल ने इसे भुनाया और यह बॉन्ड कितनी धनराशि का था। दरअसल, इस बाबत बैंक की तरफसे पेश सीनियर वकील हरीश साल्वे की दलील थी कि बैंक ने गोपनीयता के चलते प्रत्येक बॉन्ड के बारे में मैचिंग डाटा नहीं रखा था, फलतरू इसके मिलान के लिये तीस जून तक वक्त लग सकता है। वजह है कि दान देने व लेने वाले के डेटा अलग-अलग सर्वर पर रखे गए हैं। कोर्ट ने दो टूक कहा कि बैंक को मिलान करने की जरूरत नहीं है, सीधी जानकारी दी जाए। हमने सिर्फदानदाता और बॉन्ड भुनाने वाले राजनीतिक दलों की जानकारी मांगी थी। दरअसल, पांच सदस्यीय खंड पीठ की अगुवाई करने वाले मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने बैंक को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कोर्ट को आदेश दिये 26 दिन हो गए हैं, इस समय में डाटा मिलान के लिये बैंक ने क्या काम किया? कोर्ट में आवेदन करने के दौरान छब्बीस दिन के काम का उल्लेख होना चाहिए था। दरअसल, शीर्ष अदालत ने चंदे की गोपनीयता को असंवैधानिक करार दिया था तथा इस बाबत सारी जानकारी पब्लिक डोमेन में लाने की बात कही थी। दरअसल, इस बाबत जानकारी देने के लिये बैंक द्वारा तीस जून तक समय मांगने पर मामले की पैरवी करने वाले सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल व प्रशांत भूषण ने इसे न्यायालय की अवमानना कहा था। वहीं चुनाव सुधार के लिये सक्रिय एडीआर ने एसबीआई को और अधिक समय देने की मांग करने वाली याचिका के खिलाफअवमानना याचिका दायर की थी। दरअसल, बैंक दलील देता रहा है कि हमें पूरी प्रक्रिया को रिवर्स करने में दिक्कत आ रही है, क्योंकि बैंक को बॉन्ड नंबर पर और बैंकिंग सिस्टम में खरीददारों के नाम न रखने के निर्देश थे। इस बाबत शीर्ष अदालत का कहना था कि बॉन्ड खरीदने वाले को केवाईसी की जानकारी देनी होती थी, अतरू बैंक के पास बॉन्ड खरीदने वाले की जानकारी तो होनी चाहिए। दरअसल, विपक्षी दल केंद्र सरकार को निशाने पर लेते हुए बैंक पर राजनीतिक दबाव के आरोप लगाते रहे हैं। यही वजह है कि बैंक चुनाव से पहले जानकारी सार्वजनिक करने से बचता रहा है। फिलहाल, कोर्ट के आदेश केंद्र को असहज करने वाले हैं क्योंकि चुनावी बॉन्ड का सबसे ज्यादा लाभ सत्तारूढ़ दल को ही मिला है। बहरहाल, कोर्ट ने दो टूक शब्दों में बैंक से कहा कि उसे कोर्ट का पहले दिया हुआ आदेश मानना ही होगा। कोर्ट ने इस मामले में अवमानना के अपने अधिकार का प्रयोग न करने की बात दोहरायी। दरअसल, कोर्ट का मानना रहा है कि इलेक्टोरल बॉन्ड को गोपनीय रखना सूचना के अधिकार और अनुच्छेद 19(1)ए का उल्लंघन है। साथ ही चिंता भी जतायी थी कि गोपनीयता से चंदे के बदले में कुछ अन्य लाभ उठाने की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल सकता है।

श्रीनगर में मोदी ने बताई सच्चाई!

श्रुति व्यास

संविधान के अनुच्छेद 370 की जद से जम्मू-कश्मीर को बाहर किए जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 7 मार्च को पहली बार कश्मीर घाटी पहुंचे। प्रधानमंत्री बतौर दूसरी पारी में यह उनकी पहली कश्मीर यात्रा थी। दूसरी बार सत्ता में आने के तुरंत बाद उनकी सरकार ने उस संवैधानिक प्रावधान को जम्मू-कश्मीर से हटाने की कवायद शुरू कर दी थी, जो राज्य को पीछे धकेल रहा था, उसकी प्रगति की राह में रोड़ा था। विगत 7 मार्च को पहली बार उन्होंने कश्मीर से हमें यह याद दिलाया कि अनुच्छेद 370 कश्मीर का गला घोंट रहा था। अगर राजनैतिक नज़रिए से देखा जाए तो यह याद दिलाने की लिए कश्मीर से बेहतर जगह कौन-सी हो सकती थी? यह एक महत्वपूर्ण यात्रा थी जिसमें मोदी ने कई सन्देश दिए, जुमलेबाजी भी की और अपने राजनैतिक कौशल का प्रदर्शन भी किया। उन्होंने एक बार फिर याद दिलाया कि जो नैरेटिव वे बुनते हैं, उससे ज़रा भी इधर-उधर नहीं होते। कश्मीर को हमेशा से दुहा और बेचा जाता रहा है ङ्क राजनैतिक सन्दर्भ में, सामाजिक सन्दर्भ में, भावनात्मक और सांस्कृतिक दृष्टि से, धर्म और पहचान की नाम पर और अपनी-अपनी आपबीती के ज़रिये। वहां के रहवासियों ङ्क मुसलमानों और पंडितों ङ्क दोनों ने उसे बेचा, अपने-अपने नैरेटिव के ज़रिये। और दोनों के नैरेटिव में दर्द है और दोनों के नैरेटिव दिल दहलाने वाले हैं। फिर कलाकारों, फोटोग्राफरों और फिल्म निर्माताओं ने कश्मीर को बेचा। उसकी कुदरती खूबसूरती और खूनखराबा, वहां की हसीन वादियाँ और हवा में तैरता डर, शांत माहौल को चीरती आहें और गुस्सा ङ्क इन सबको अगणित बार दुहा और बेचा गया। अनुच्छेद 370 और 35ए के विशेष प्रावधानों से कश्मीरियों को कोई विशेष लाभ नहीं मिला ङ्क न आज़ादी, न गौरव, न स्वायत्ता और ना शांति और ना ही किसी लाभ की गारंटी। कश्मीर को बेच कर सबने फायदा कमाया और सबसे बड़े लाभार्थी थे राजनेता। जब राजनीति बांटने लगती है, ज़हर फैलाने

लगती है तब सबसे ज्यादा कष्ट भोगते हैं आम लोग। कश्मीर और उसके लोगों ङ्क विशेषकर उन मुसलमानों, हिन्दुओं, सिक्खों और ईसाईयों ने जो अपने घर छोड़ कर नहीं गए और जो उथलपुथल और नीरवता दोनों को झेलते हुए वहीं रहे आए ङ्क ने बहुत कुछ भोगा है और बहुत लम्बे समय तक भोगा है। शांति के दिन छोटे और कम रहे और गड़बडियों और बेचैनी के रातें लम्बी और ज्यादा रहीं। बल्कि बेचैनी, असंतोष और गुस्सा कश्मीर की पहचान बन गए। सन 2019 के चुनाव में भी कश्मीर को एक राजनैतिक औजार के रूप में इस्तेमाल किया गया। कश्मीर पर लिखा गया, कश्मीर पर बोला गया, कश्मीर पर फिल्में बनीं। इन सबमें जो नैरेटिव बनाए गए उनमें भी और राजनैतिक प्रचार में भी, हिंसा छाई रही। और हिंसा ही कश्मीर का नैरेटिव बन गई। कश्मीर विलाप और विषाद की घाटी बन गई। मगर 5 अगस्त, 2019 को इस सब पर पूर्ण विराम लगा दिया गया। नतीजा यह कि कईयों के लिए नरेन्द्र मोदी एक ऐसे व्यक्ति बन गए जो निर्णय लेना जानते है और जो निर्णय लेते है। वे एक तानाशाह नेता लगते हैं, उनके व्यवहार में दादागिरी का पुट है, नीतियों के निर्माण और उन पर अमल का उनका तरीका गैर-प्रजातान्त्रिक प्रतीत होता है और आने वाली पीढियों को कदाचित उनकी विरासत उतनी शानदार नहीं लगेगी जितनी हमें अभी लगती है।लेकिन कश्मीर के मामले में उन्होंने जो किया उसके लिए वे हमेशा याद रखे जाएंगे और 370 एक ऐसा अंक होगा जो भुलाया नहीं जा सकेगा। कश्मीर की बेडियाँ काट दी गईं हैं। दर्द और दहशत के नैरेटिव के सौदागरों को नये नैरेटिव ढूँढने पड़ रहे हैं। इनमें अब प्रजातंत्र के अभाव का मसला जुड़ गया है।सन 2019 के बाद कश्मीर की मोदी की इस पहली यात्रा के राजनैतिक निहितार्थ भी हैं। आम चुनाव के पहले मोदी ने बख्शी स्टेडियम के मंच से अपना नैरेटिव देश के सामने पेश किया। वसंत की उस सुबह हवा में ठंडक तो थी मगर आसमान साफ़ था और धूप भली लग रही थी। प्रधानमंत्री ने खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि भाजपा की लिए 370 केवल एक नंबर नहीं है बल्कि एक गंभीर सोच का प्रतीक है। वे उस नैरेटिव से जरा भी इधर-उधर नहीं हुए, जो नैरेटिव उन्हें ताकत देता है। चुनाव की पूर्वसंध्या पर कश्मीर के दिल से उन्होंने दरअसल कश्मीर को नहीं बल्कि भारत को संबोधित किया। उन्होंने याद दिलाया कि 2019 में उन्होंने कश्मीर के बारे में एक ऐतिहसिक और साहसिक कदम उठाया था। उन्होंने भारत को उन दीवारों की याद दिलाई जो कश्मीर और शेष भारत के बीच तामीर कर दी गईं थीं। उन्होंने कश्मीर के पुराने राजनीतिज्ञों की गन्दी करतूतों की याद दिलाई जिन्होंने कश्मीर को इंसानियत, जम्हूरियत और कश्मीरियत से जुदा कर दिया था। उन्होंने भारत को याद दिलाया कि उसी वेदना में से कमल खिला है। उन्होंने भारत को याद दिलाया कि कश्मीर को अब एक नई राजनीति आकार दे रही है जो कश्मीर के लोगों को देश की अन्य हिस्सों के लोगों से जोड़ रही है। उन्होंने भारत को याद दिलाया कि 'विकसित भारत' के उनके मिशन का कश्मीर एक आवश्यक हिस्सा है और वह उसमें एक आवश्यक भूमिका निभाएगा। इसके पहले कि मैं नरेन्द्र मोदी की 'नई राजनीति' के पीछे की राजनीति की बात करूं और उनके नैरेटिव पर आऊं, थोड़ी चर्चा नए जम्मू-कश्मीर की। हो सकता है कि आप हर चीज़ में कुछ न कुछ नुक्स ढूँढने में माहिर हों, हो सकता है कि आप मोदी और उनके सरकार के अंध विरोधी हों, मगर फिर भी आप कश्मीर में आये बदलावों को नजरअंदाज़ नहीं कर सकते। निसंदेह कुछ कश्मीरी एक ही सोच से चिपके रहना चाहते हैं। वहां के कुछ बुद्धिजीवियों की लिए कश्मीर की 'पहचान' (जिसकी परिभाषा बहुत साफ़ नहीं है) सबसे अहम, सबसे ऊपर है। फिर चाहे इसका मतलब सतत लूट, पहचान का राजनीतिकरण, उसे अन्य पहचानों से जुदा करना, लोगों को कट्टर बनाना, उनका दमन करना और कश्मीर की भूमि और उसकी पहचान को अतीत में धकेलना ही क्यों न हो। इसलिए यह ज़रूरी है कि हम द्वेष के लेंस लगे चश्मे उतार कर जम्मू-कश्मीर और विशेषकर घाटी में हुई प्रगति को देखें। कश्मीर को बहुत समय बाद विकास का स्वाद चखने को मिल रहा है, वह प्रगति और शांति, ग्लैमर और चमक-दमक का मज़ा ले रहा है। कश्मीर का मतलब अब हिंसा नहीं है। वहां शांति है। अल्पसंख्यकों की हत्याएं और सेना पर हमले कब-जब इस शांति को भंग करते हैं मगर तुलनात्मक रूप से शांति तो है ही। लोगों का मूड बदल रहा है। वे अब खुल कर बात करते हैं। वे अपने नए भविष्य, जो सुनहरा है, को गले लगाने तैयार हैं। श्रीनगर और उसके आसपास के इलाके गुलज़ार हैं। निराशा भी उतनी निराशाजनक नहीं लगती। राजनीति में एक नयापन है, एक नया परिप्रेक्ष्य है। लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा पूरी निष्ठा और समर्पण से इस कोशिश में लगे हैं कि प्रगति और उन्नति के साथ-साथ, राजनीति को भी जगह मिले, मगर एक नए कैनवास पर। नए कश्मीर में एक नई तरह की राजनीति अंगड़ाई ले रही है। अब्दुल्लाओं और मुफ्तियों की राजनीति उतनी ही दयनीय अवस्था को प्राप्त हो चुकी है जितनी कि राहुल गाँधी और तेजस्वी यादव की। निवेश आ रहा है, प्रगति हो रही है। सरकार की योजनाओं का फायदा पुलवामा के कश्मीरी को ही उतना ही मिल रहा है जितना बिहार के मांझी को। जैसा कि हम सब जानते हैं, आप कुछ करके ही मैदान जीत सकते हैं। केवल जुबानी जमाखर्च से कुछ होना-जाना नहीं है। कश्मीरियों को इस बात का अहसास है कि मोदी का जादू इस समय देश में सिर चढक़र बोल रहा है और शक्ति और

चार सौ पार के डरावने सपने

राजेंद्र शर्मा

भाजपा की ये असली प्रचार प्राथमिकताएं, जिन्हें हेगड़े ने नासमझी में या असावधानी वश उजागर कर दिया है, कम से कम इतना तो साफकर ही देती हैं कि प्रधानमंत्री मोदी की विकसित भारत बनाने की घोषणाएं तो, उनका राजनीतिक-चुनावी मुखौटा भर हैं। उनका और उनकी पार्टी तथा उसके संघ परिवार का असली मुख तो, उसका हिंदुत्ववादी सांप्रदायिकता का चेहरा ही है, जो संविधान से औपचारिक रूप से धर्मनिरपेक्षता के विचार को ही बाहर करने के लिए उतावला है। मोदी राज के दो कार्यकालों में जिस प्रकार, शासन की धर्मनिरपेक्षता के विचार को भीतर से खोखला कर, व्यवहार में हिंदू-श्रेष्ठड्ढता का राज कायम किया गया है, उसे औपचारिक रूप से एक हिंदू राज के रूप में कायम किए जाने का काम अब भी बाकी है। जैसा कि आसानी से अनुमान लगाया जा सकता था, अपने लोकसभा सदस्य, अनंत कुमार हेगड़े के बयान से भाजपा ने किनारा कर लिया है। कर्नाटक से भाजपा के वरिष्ठड्ढ सांसद, हेगड़े ने एक सार्वजनिक सभा में 2024 के आम चुनाव के भाजपा के नारे, अब की बार चार सौ पार का खुलासा करते हुए बताया था कि इसका मकसद, श्संविधान में तब्दीलीश् का रास्ता बनाना है। अपने सांप्रदायिक बयानों से बहुत बार विवाद खड़े करने वाले भाजपा सांसद ने यह तो नहीं बताया कि इसके पीछे संविधान में ठीक-ठीक क्या बदलाव करने का लक्ष्य है। फिर भी खबरों के अनुसार उन्होंने इसका इशारा जरूर

भाजपा की ये असली प्रचार प्राथमिकताएं, जिन्हें हेगड़े ने नासमझी में या असावधानी वश उजागर कर दिया है, कम से कम इतना तो साफकर ही देती हैं कि प्रधानमंत्री मोदी की विकसित भारत बनाने की घोषणाएं तो, उनका राजनीतिक-चुनावी मुखौटा भर हैं। उनका और उनकी पार्टी तथा उसके संघ परिवार का असली मुख तो, उसका हिंदुत्ववादी सांप्रदायिकता का चेहरा ही है, जो संविधान से औपचारिक रूप से धर्मनिरपेक्षता के विचार को ही बाहर करने के लिए उतावला है। मोदी राज के दो कार्यकालों में जिस प्रकार, शासन की धर्मनिरपेक्षता के विचार को भीतर से खोखला कर, व्यवहार में हिंदू-श्रेष्ठड्ढता का राज कायम किया गया है, उसे औपचारिक रूप से एक हिंदू राज के रूप में कायम किए जाने का काम अब भी बाकी है।

दे दिया कि ये बदलाव हिंदुत्ववादी सांप्रदायिकता के तकाजों को पूरा करने वाले होंगे और यह भी कि निशाने पर संविधान की उद्देश्यिका होगी। उनका कहना था कि अतीत में कांग्रेस की सरकार ने संविधान में ऐसे अनावश्यक प्रावधान जोड़े थे जो हिंदू समुदाय को दबाने वाले प्रावधान हैं। इन्हें ही हटाने के लिए भाजपा को चार सौ पार चाहिए! यह समझना मुश्किल नहीं है कि भाजपा सांसद का निशाना संविधान की उद्देश्यिका में जोड़े गए धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत पर था। बेशक, भाजपा ने हेगड़े के बयान को उनके निजी विचार कहकर, अपना पल्ला झाड़ लिया है। इतना ही नहीं, चुनाव के मौसम में, संविधान बदलने की नीयत और इरादों पर उठ सकने वाले विवाद से बचने की कोशिश में, भाजपा ने अपने सांसद से उसके बयान पर स्पष्टड्ढीकरण भी मांग लिया है, हालांकि इस स्वांग को शायद ही कोई गंभीरता से लेगा। ऐसे मामलों में भाजपा द्वारा मांगे गए स्पष्टीकरणों का हस्र किसी से छुपा हुआ नहीं है। स्वाभाविक रूप से हेगड़े के बयान पर, विपक्ष की तीखी प्रतिक्रियाएं आयी हैं। हैरानी की बात नहीं होगी कि भाजपा के पल्ला झाड़ने के स्वांग के बावजूद, मोदी की तीसरी पारी के इन मंसूबों की गूंज आने वाले दिनों में चुनाव प्रचार में सुनाई दे। बहरहाल, हेगड़े के बयान के भाजपा का आधिकारिक रुख होने न होने से अलग, और यहां तक कि मोदी को तीसरा कार्यकाल मिल जाता है तो उसके वास्तव में ठीक-ठीक ऐसा ही करने से भी अलग, हेगड़े का यह बयान निर्विवाद रूप से यह तो दिखाता ही है कि भाजपा, लोगों के बीच क्या और कैसी अपेक्षाएं तथा उम्मीदें जगाने के जरिए, अपने चुनावी समर्थन को पुख्ता करने की कोशिश कर रही है। धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का संविधान-निकाला (और जाहिर है कि देश-निकाला भी) इन अपेक्षाओं में शीर्ष पर है। भाजपा की ये असली प्रचार प्राथमिकताएं, जिन्हें हेगड़े ने नासमझी में या असावधानी वश उजागर कर दिया है, कम से कम इतना तो साफ कर ही देती हैं कि प्रधानमंत्री मोदी की विकसित भारत बनाने की घोषणाएं तो, उनका राजनीतिक-चुनावी मुखौटा भर हैं। उनका और उनकी पार्टी तथा उसके संघ परिवार का असली मुख तो, उसका हिंदुत्ववादी सांप्रदायिकता का चेहरा ही है, जो संविधान से औपचारिक रूप से धर्मनिरपेक्षता के विचार को ही बाहर करने के लिए उतावला है। मोदी राज के दो कार्यकालों में जिस प्रकार, शासन की धर्मनिरपेक्षता के विचार को भीतर से खोखला कर, व्यवहार में हिंदू-श्रेष्ठड्ढता का राज कायम किया गया है, उसे औपचारिक रूप से एक हिंदू राज के रूप में कायम किए जाने का काम अब भी बाकी है। मोदी के दूसरे कार्यकाल में, सीएए कानून के जरिए नागरिकता की परिभाषा में धार्मिक समुदाय आधारित विभाजन के रोपे जाने से लेकर, संविधान की धारा-370 के अंत तथा जम्मू-कश्मीर के विभाजन तथा उसका दर्जा गिराए जाने के जरिए, देश के इकलौते मुस्लिम बहुल राज्य को उसके मुस्लिम बहुल होने की सजा दिए जाने और मणिपुर में बहुसंख्यकवादी राज कायम करने के लिए गृहयुद्ध जैसे हालात पैदा किए जाने आदि के जरिए, व्यवहार में धर्मनिरपेक्षता का गला घोंटने के लिए बहुत तेजी से कदम उठाए गए हैं। अब उसे औपचारिक रूप देने की, संविधान में रोपने की मंशा हैय बशर्ते देश और जनता ने उसे ऐसा करने दिया! बहरहाल, चार सौ पार का नारा देना और प्रायोजित भीड़ों से, जिनमें सरकारी खर्चे पर, इंटरनैट क्रिएटर्स का सम्मान करने के नाम पर जुटायी गयीं, बिकाऊ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की भीड़ें भी शामिल हैं, यह नारा लगवाना तो आसान है और देसी-विदेशी कारपोरेटों की ओर से आ रही पैसे की बाढ़ के बल पर, श्शार सौ पारश्श् भांति-भांति के घोषित-अघोषित विज्ञापनों के जरिए आम लोगों की जुबान पर चढ़ा देना भी बहुत मुश्किल नहीं है, लेकिन इसे सच कर पाना, लगभग असंभव होने की हद तक मुश्किल है।

भाजपा के इस दांव में खतरे भी

हरिशंकर व्यास

लेकिन क्या भाजपा इस दांव में कामयाब हो पाएगी? कई बार इस तरह के दांव उलटे पड़ते हैं। कई बार कमजोर के प्रति सहानुभूति होती है। बिहार, ओडिशा और उत्तर प्रदेश में तो डबल इंजन की डबल एंटी इन्कम्बैंसी हो सकती है। बिहार में जनता दल यू को साथ लेने के बाद भाजपा का पुरानी और छोटी सहयोगी पार्टियों से तालमेल बिगड़ा है क्योंकि उनको देने के लिए भाजपा के पास सीटें कम हैं। दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन की पार्टियों में बेहतर तालमेल बना है। ध्यान रहे पिछली बार किशनगंज सीट पर मुकाबला इस वजह से था कि ओवैसी की पार्टी के उम्मीदवार को करीब तीन लाख वोट मिल गए थे। इस बार ऐसा होने की संभावना बहुत कम है। इसलिए किशनगंज सीट पर कांग्रेस या विपक्षी गठबंधन के उम्मीदवार के जीतने के चांस ज्यादा हैं। इसी तरह सीमांचल की अनेक सीटों पर और पिछली बार कांटे की टक्कर वाली यादव बहुल सीटों पर भी मुकाबला आसान नहीं है। पप्पू यादव के साथ आने से सीमांचल का गणित अलग ढंग से बन रहा है।

लेकिन क्या भाजपा इस दांव में कामयाब हो पाएगी? कई बार इस तरह के दांव उलटे पड़ते हैं। कई बार कमजोर के प्रति सहानुभूति होती है। बिहार, ओडिशा और उत्तर प्रदेश में तो डबल इंजन की डबल एंटी इन्कम्बैंसी हो सकती है। बिहार में जनता दल यू को साथ लेने के बाद भाजपा का पुरानी और छोटी सहयोगी पार्टियों से तालमेल बिगड़ा है क्योंकि उनको देने के लिए भाजपा के पास सीटें कम हैं। दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन की पार्टियों में बेहतर तालमेल बना है। ध्यान रहे पिछली बार किशनगंज सीट पर मुकाबला इस वजह से था कि ओवैसी की पार्टी के उम्मीदवार को करीब तीन लाख वोट मिल गए थे। इस बार ऐसा होने की संभावना बहुत कम है। इसलिए किशनगंज सीट पर कांग्रेस या विपक्षी गठबंधन के उम्मीदवार के जीतने के चांस ज्यादा हैं।

सीमांचल में पूर्णिया से लेकर अररिया, किशनगंज, सुपौल, मधेपुरा, खगडिय़ा, कटिहार तक पटना में पाटलिपुत्र और मगध में जहानाबाद जैसी सीटों पर कांटे का मुकाबला है। झारखंड में सिंहभूम सीट पर कोड़ा परिवार की मदद से भाजपा ने अपनी स्थिति मजबूत की है लेकिन यह इस बात की गारंटी नहीं है कि वह पिछली बार की तरह 14 में से 12 सीट जीत जाए। पिछली बार तीन सीटों पर कांटे की टक्कर हुई थी। लोहरदगा में कांग्रेस नौ हजार और खूंटी में डेढ़ हजार वोट से हारी थी। दुमका में शिबू सोरेन भी 30 हजार के करीब वोट से हारे थे। इन सीटों पर इस बार भाजपा के लिए लड़ाई आसान नहीं है। इसके अलावा लहर के बावजूद पिछले दोनों चुनावों में भाजपा राजमहल सीट नहीं जीत पाई। ऐसा लग रहा है कि चार से छह सीटों पर विपक्षी गठबंधन बहुत मजबूत है। शास्त्रीय राजनीति के नजरिए से देखें तो ओडिशा में भाजपा ने वह गलती की है, जो पंजाब में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने और केरल में कांग्रेस व लेफ्ट मोर्चा ने नहीं की। ओडिशा में बीजू जनता दल और भाजपा सत्तारूढ़ व मुख्य विपक्षी पार्टी हैं। उनके साथ आ जाने से विपक्ष का पूरा स्पेस कांग्रेस के लिए खाली हो गया। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस 13 फीसदी वोट वाली पार्टी थी, लेकिन इस बार वह बीजू जनता दल और भाजपा दोनों के खिलाफ लड़ेगी तो दोनों का विरोधी वोट उसी की ओर जाएगा। बीजद और भाजपा का वोट पिछली बार 81 फीसदी से ऊपर था, जिसमें इस बार बड़ी कमी आएगी। अपनी लोकसभा की आठ सीटों में कुछ बढ़ोतरी के लिए भाजपा ने सत्तारूढ़ बीजद से तालमेल का फैसला किया है, जिससे विपक्ष का स्पेस एक बार कांग्रेस को मिलेगा, जो भाजपा के मुख्य विपक्षी बनने से तीसरे स्थान पर चली गई थी। इस बीच ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री और दिग्गज आदिवासी नेता गिरधर गमांग की पार्टी में वापसी हुई है तो तटीय ओडिशा के कद्दावर नेता श्रीकांत जेना भी लौटे हैं। वे तटीय ओडिशा की तीन अलग अलग सीटों से सांसद रह चुके हैं। सो, ऐसा न हो कि कांग्रेस को निपटाने का यह दांव भाजपा को भारी पड़ जाए? उत्तर प्रदेश में भाजपा का दांव अभी चल रहा है क्योंकि वहां राममंदिर का उद्घाटन हुआ है और रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा हुई है। लेकिन वहां भी ज्यादा सीटें लडऩे की भाजपा की जिद के चलते सहयोगी पार्टियों को गिनी चुनी सीटें मिली हैं। हां, यह जरूर है कि भाजपा ने नए सहयोगी जयंत चौधरी की पार्टी रालोद के एक नेता को मंत्री बना दिया है तो सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के ओमप्रकाश राजभर को भी मंत्री बना दिया है। भाजपा ने अपनी चार सहयोगी पार्टियों को छह सीटों में निपटाया है। रालोद और अपना दल को दो-दो तो ओमप्रकाश राजभर और संजय निषाद की पार्टी को एक-एक सीट दी गई है।

हापुड़

दुर्लभ वाद्य यंत्रों की प्रस्तुति से सजी अवध की शाम

यूपी के लोक वाद्य चमेली, राम कुंडली, दुक्कड़, ताशा और हुड़का का प्रदर्शन

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति के अंतर्गत बुधवार को एक साथ 35 कलाकारों ने प्रदेश के विभिन्न दुर्लभ लोक वाद्यों का प्रभावपूर्ण प्रदर्शन किया। वाल्मीकि रंगशाला में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो मांडवी सिंह ने दीप प्रज्जवलित कर किया। कलाकारों ने राग जोग, कजरी, रामायण धुन, कजरी धुन, लोक धुन और होरी की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर प्रस्तुति निदेशक एवं ताल विशेषज्ञ शेख मोहम्मद इब्राहिम ने कहा कि सृष्टि के कण-कण में संगीत समाहित है। चाहे प्रकृति हो या मानव रचना हो। इन्हीं से संगीत का उद्गम और धीरे-धीरे विस्तार हुआ।

जरूरत के मुताबिक गायन व नृत्य की संगत के लिए वाद्य यंत्रों का निर्माण होता गया लेकिन आधुनिक परिवेश में हमारी मूल संस्कृति पर उसका गहरा प्रभाव पडने के कारण आज हमारे अनेक वाद्य यंत्र विलुप्त होते जा रहे हैं। इन्हीं वाद्य यंत्रों को केंद्रित करते हुए आज का आयोजन हो रहा है जिसे उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति-2018 के अंतर्गत प्रोत्साहन मिला है। यह प्रस्तुति लखनऊ, कानपुर व उन्नाव में हुए प्रशिक्षण व पूर्वाभ्यास के बाद हुई। कलाकारों में सचिन दिवाकर, विशाल मौर्य, गीतिका स्वरूप, अंशिका मिश्रा, राहुल कुमार, माधवेंद्र प्रताप, टी. गोस्वामी, समीर सराठे, विभव शरण पांडे, वेदांग अवस्थी, शमसुद्दीन, पृथ्वी, जफर अंसारी, मोहित राय, हिमांशु शुक्ला, सिराज अहमद, अंश, कमल गुप्ता,अमित प्रसाद अरुण मिश्रा, शब्बन, अयान मयंक सिंह, देवी प्रसाद, सौरभ सोनवानी, सम्राट राजकुमार, अलका श्रीवास्तव, नलिनी त्रिपाठी, अंशिका आदि प्रमुख रहे। संचालन राजेन्द्र विश्वकर्मा हरिहर ने किया। वरिष्ठ तबला वादक शेख मोहम्मद इब्राहिम के निर्देशन में मुख्यतः यह प्रस्तुति उत्तर प्रदेश के पांच दुर्लभ वाद्य - 'चमेली, राम कुंडली, दुक्कड़, ताशा, हुड़का' पर केंद्रित रही। संगत वाद्य के रूप में बांसुरी, सितार, क्लेरियोनेट, मेंडोलियन, पैडल हारमोनियम, ढोलक, तबला वाद्य व सह-गायन रहा।

दहेज के लिएविवाहिता की पीट-पीट कर हत्या, केस दर्ज

हापुड विष्णु अग्रवाल
(गर्ग टाइम्स)

बुधवार सुबह थाना धौलाना क्षेत्र में दहेज के लोभियों ने विवाहिता की पीट पीट कर हत्या कर दी। यही नहीं ससुराल पक्ष वि ?वहिता को अस्पताल में छोड़कर फरार हो गए। विवाहिता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। गाँव खैरपुर के रहने वाले मृतका के पिता सोमपाल ने थाना में दी तहरीर में कहा है कि बेटी पूजा का विवाह 10 मार्च 2022 को गांव ककराना के एक युवक के साथ हुआ था। ससुराल पक्ष के लोग अतिरिक्त दहेज की मांग करने लगे और विवाहिता को प्रताड़ित करने लगे। दहेज में एक कार की मांग कर रहे थे। जिस पर बेटी ने अपने पिता को कैंसर की बीमारी होने का हवाला देते हुए ससुराल के लोगों को समझाने का प्रयास किया,

लेकिन वह नहीं माने और मारपीट करते हुए कार की मांग करते रहे। इससे क्षुब्ध होकर पीड़िता अपने मायके आ गई। 10 मार्च को ससुराल पक्ष के लोग मामला खत्म करने का दिखावा करके पूजा को साथ वापस ले गए थे। सीओ जितेंद्र शर्मा ने बताया कि दर्ज मुकदमे के आरोपितो की गिरफ्तारी मे पुलिस जूटी है।

संक्षिप्त समाचार

आशा-डॉक्टर की मिलीभगत से धांधली का आरोप

बांदा। जनपद में जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे युवक ने सरकारी अस्पताल में आशा बहू की मिलीभगत से धांधली करने और मरीजों को फंसा करके प्राइवेट अस्पताल ले जाने का आरोप लगाया। फरियादी ने बताया कि जहां उनसे अवैध तरीके से हजारों रुपए की वसूली की जाती है। उसके रिश्तेदार महिला को आशा बहू जिला अस्पताल लेकर आई और फिर उसने मेडिकल कॉलेज रेफर करा लिया और वहां से उसे प्राइवेट अस्पताल ले जाकर उसकी डिलीवरी कराई गई जहां उनसे 50 हजार लिया गया। फरियादी ने जिलाधिकारी से मेडिकल कॉलेज की डॉक्टर और आशा बहू पर कार्रवाई करने की मांग की। फरियादी ने बताया कि डिलीवरी के लिए जिला अस्पताल आशा बहू के साथ पहुंचा। जहां आशा बहू ने परिवार को गुमराह करते हुए चिकित्सकों से मिलकर महिला को मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर करवा दिया और परिजनों से कहा कि वहां पर जाकर मेरे परिचित के डॉक्टर हैं तो अच्छे से इलाज करवा दूंगी कोई दिक्कत नहीं है। वहां जाकर एक डॉक्टर जिनका स्वयं का हॉस्पिटल है और मेडिकल कॉलेज में कार्यरत हैं, मिलकर परिजनों को बरगला करके मेडिकल कॉलेज से प्राइवेट अस्पताल ले गईं और वहां पर इलाज के नाम पर परिवार से 50000 वसूली की। महिला के परिजन जिलाधिकारी से मांग करते हुए कहा कि पूरे मामले की जांच करवाई जाए। आरोपी डॉक्टर और आशा बहू की कॉल रिकॉर्डिंग निकाले तो उसे बहुत सारी चीज निकल कर आएगी। जिलाधिकारी ने सीएमओ को जांच के आदेश दिए हैं।

छेड़छाड़ से परेशान हाईस्कूल छात्रा ने फांसी लगाकर जान दी

बांदा। जनपद में यहां छेड़छाड़ से परेशान छात्रा ने फांसी लगाकर जान दे दी। किशोरी का शव घर में फंदे से लटका मिला है। बॉडी को देखते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। शोर सुनकर आसपास के लोग इकठ्ठा हो गए। पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और घर वालों से मामले में जानकारी ली। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस को कमरे से एक सुसाइड नोट मिला है। जिसमें लिखा है- ष्मम्मी-पापा, जिस तरह मैं प्राण त्याग रही हूं, वैसे ही उसको मौत देनाष्। पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर जांच कर रही है। मामला जनपद के बिसंडा थाना क्षेत्र के बड़ागांव का है। यहां मोहनलाल अपनी पत्नी शोभा देवी और दो बेटियों के साथ रहते हैं। उनकी बड़ी बेटी प्रतीक्षा (16) हाईस्कूल की छात्रा थी। बुधवार सुबह वह खाना बनाने के बाद अपने कमरे में चली गई। जब काफी देर तक वह बाहर नहीं आई तो मां उसे आवाज देते हुई पहुंची। दरवाजा को धक्का दिया, लेकिन वह अंदर से बंद था। उन्होंने बाहर से कई बार आवाज लगाई, लेकिन अंदर से जवाब नहीं आया। मां को शंका हुई तो उन्होंने बेटी के ताऊ को सूचना दी। इसके बाद सभी लोग वहां पहुंचे। ताऊ ने खपरैल को तोड़कर कमरे में झांका तो छात्रा का शव लटकता दिखा। यह देख वह दंग रह गए। छात्रा की मां को बताया तो वह चीख पड़ी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

13 दिनों में जांची जाएंगी 1,81,787 कॉपियां

बांदा। यूपी बोर्ड परीक्षा खत्म होने के बाद उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की तैयारी की जा रही है। मूल्यांकन का कार्य 16 से शुरू होकर 31 मार्च तक चलेगा। इन 13 दिनों में 1,81,787 कॉपियां जांची जाएंगी। जनपद में मूल्यांकन के लिए दो केंद्र बनाए गए हैं। इनके लिए प्रधान परीक्षक व परीक्षकों की नियुक्ति कर दी गई है। वहीं डायट प्राचार्य को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। नया शैक्षिक सत्र अप्रैल माह से शुरू होता है। माध्यमिक शिक्षा परिषद का प्रयास है कि इसके पहले बोर्ड उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पूरा करा लिया जाएगा। आदर्श बजरंग इंटर कॉलेज में इंटर की 68,787 उत्तर पुस्तिकाओं का आवंटन किया गया है।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लाभार्थियों को योजना स्वीकृत के प्रमाण पत्र वितरित किए

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वंचित वर्गों के आउटरीच कार्यक्रम के तहत ऋण सहायता के लिए पीएम सुरज पोर्टल का वर्चुअल रूप से लॉन्च किया । इस अवसर पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री आवास, आयुष्मान कार्ड , ऋण योजनाओं में स्वीकृत के तहत चेक वितरण सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को योजना स्वीकृत के प्रमाण पत्र वितरित किए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि जिन लोगों को आज सुविधा प्राप्त हुई है जिनको सर्टिफिकेट दिया गया है उन सबको मैं अपनी तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

मै याद दिलाना चाहूंगा कि प्रधानमंत्री मोदी जी जब 2014 में प्रधानमंत्री बने थे तो उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान से गरीबी समाप्त होनी चाहिए, गरीब गरीब होता है चाहे वह किसी जात पात का हो । पिछडापन भी इस देश का समाप्त होना चाहिए और यह कहते हुए उन्होंने एक वाक्य कहा था कि हमारे सरकार जो बनी है यह सरकार इस हिंदुस्तान के गरीबों और पिछड़ों के प्रति पूरी तरह से समर्पित है 10 वर्षों के अंदर आपने देखा

होगा कि गरीबों के लिए पिछड़ों के लिए किसानों के लिए जवानों के लिए इसके साथ-साथ महिलाओं के सम्मान की चिंता की। आज शायद ही कोई ऐसा घर मिले जहां लोग झुग्गी झोपड़ी में रहते हैं, सबके पास पक्के आवास बनते जा रहे हैं और मैं पूरे विश्वास के साथ कहता हूं कि जिनके पास आज तक आवास नहीं है और पूरी तरह से आश्वस्त रहे कि जिनके पास अभी नहीं है उनके पक्के आवास भी आगामी 5 वर्षों में बन कर रहेंगे। दुनिया की कोई ताकत ऐसा होने से रोक नहीं सकती। हमारी सरकार की प्रतिबद्धता है कि देश के गरीबों को भी देश की मुख्य धारा में लाकर खड़ा करना है। जैसे समाज के सभी वर्गों के लोग भारत का मस्तक ऊंचा करने के लिए अपना अपना योगदान दे रहे हैं। जिनको गरीब कहा जाता है जिनको वंचित कहा जाता है वह भी प्रभावी तरीके से अपना योगदान दे सकें। इसके लिए हमारी सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। जो लोग गरीब नेता के नीचे रहते थे उसमें 25 करोड लोग गरीबी रेखा के बाहर हो चुके हैं यह हमारे सरकार के काम करने के तरीके से संभव हुआ है। पिछली सरकारों ने भी प्रयास किया लेकिन प्रश्न सिर्फ नियत का है। पहले गरीब परिवारों के लोग आते थे कि अस्पताल में टेलीफोन कर दीजिए कि हमारा इलाज हो सके आज भारत के गरीबों को मोदी जी की सरकार में आयुष्मान भारत कार्ड बना दिया जिसमें 5 लाख तक का इलाज हो रहा है ऐसी कल्पना नहीं की गई थी। इससे उत्तम योजना विश्व में किसी देश के पास नहीं है। कांग्रेस का शासन काल भी आप लोगों ने देखा। जिसमें अधिकांश लोग जिनको उसका लाभ मिलना चाहिए था नहीं मिल पाता था, जितना मिलना चाहिए था उसका एक चौथाई लाभ ही मिल पाता था। हमारे भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने चिंतन करते हुए कहा था कि मैं दिल्ली से 100 पैसा भेजता हूं लेकिन लोगों तक पहुंचते पहुंचते पहुंचते वह 15 पैसे हो जाता है, 85 पैसा भ्रष्टाचार की भेंट हो जाता था। हमारे प्रधानमंत्री ने उस प्रधानमंत्री की मजबूरी को चुनौती के रूप में स्वीकार किया और ऐसी व्यवस्था बनाई कि दिल्ली के बैंक से जो पैसा चलता है अब 100 का 100 पैसा आप सबकी जेब में पहुंचता है। आजाद भारत के इतिहास में पहली बार किसी सरकार ने ऐसा कार्य किया है कि गरीबी को समाप्त करने के लिए और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रहे हैं, सर्वत्र इसकी सराहना हो रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत बोलता है तो सारी दुनिया का कान लगा कर सुनती है कि भारत क्या कहा रहा है।सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों से गरीबों को हर घर में नल के माध्यम से जल मिल रहा है । जिनके घरों में अभी तक नल से जल नहीं पहुंचा है उनको भी मैं विश्वास दिलाता हूं कि उनके घर में नल के माध्यम से जल पहुंचेगा। प्रधानमंत्री जी ने संकल्प लिया है कि 140 करोड़ देशवासियों मैं कोई भी जरूरतमंद और वंचित सरकारी योजना में छूट रहा है तो उन वंचितों को भी योजनाओं का लाभ मिले कोई भी वंचित न रहे। महिलाओं के लिए सेल्फ हेल्प ग्रुप बने हैं जिन महिलाओं की आमदनी 1000 रुपए नहीं होती थी लेकिन आज 2 करोड़ महिलाएं लखपति बन गई है प्रधानमंत्री जी का संकल्प है की 4 करोड़ महिलाएं लखपति बने। हम लोग सरकार बनाने के लिए राजनीति नहीं करते हैं, देश बनाने के लिए सरकार बनाते हैं। हम लोग देश और समाज बनाने के लिए राजनीति करते हैं । भारत का मस्तक ऊंचा होना चाहिए यह हमारा प्रयास है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार भारत का मस्तक ऊंचा हो रहा है।

15 को आएंगे सीएम योगी, साफ्ट ड्रिंक प्लांट का होगा उद्घाटन

हापुड विष्णु अग्रवाल
(गर्ग टाइम्स)

प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आगामी 15 मार्च को धौलाना में स्थित मून बेवरेज कंपनी में पहुंचेंगे। जहां इन्वेस्टर्स समिट में आए 800 करोड़ के साफ्ट ड्रिंक प्लांट का उद्घाटन करेंगे। इस प्लांट से लगभग 1500 से 2000 लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। इससे जिले में औद्योगिक इकाइयों को लाभ मिलेगा। उपायुक्त उद्योग शैलेंद्र सिंह ने बताया कि पिछले साल ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट का आयोजन हुआ था। जिससे उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेश का केंद्र बनाया जा सके। जनपद में औद्योगिक इकाइयों में निवेश करने क लिए 553 निवेशकों के 32 हजार करोड़ रुपये के प्रस्ताव मिले थे। ग्लोबल समिट-2023 के अंतर्गत

11 हजार 298 करोड़ रुपये के निवेश की परियोजनाओं को धरातल पर लाने के लिए ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी-4.0 का पिछले दिनों कलक्ट्रेट में आयोजन हुआ था। जिसमे डीएम प्रेरण शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में हरियाणा में लगने वाले प्लांट को रदद कर यूपीएसआईडीसी धोलना मे लगाया जायेगा

श्री रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव अनुभूति 2024 का आगाज़

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

लखनऊ। दिनांक 14 मार्च 2024- अत्यंत हर्ष के साथ आप सभी मीडिया के साथियों को सूचित किया जा रहा है कि विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी श्री रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय में वार्षिक सांस्कृतिक कार्यकम %अनुभूति 2024% का शुभारंभ 14 मार्च को किया जा रहा है। तीन दिन तक चलने वाले इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक व . रचनात्मक गतिविधियों से जुड़े दर्जनों कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगें। इस कार्यक्रम में कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय, व कॉलेज प्रतिभागिता करेंगें। राष्ट्रीय नीति वोकल फॉर लोकल का अनुसरण करते हुए, इसके वार्षिकोत्सव कार्यक्रम की थीम दिल से देसी रखी गयी है। वैश्विकरण के दौर में अपने सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण व संपोषण करना विश्वविद्यालय के

तौर पर हमारा कर्तव्य भी है और दायित्व भी है। पूरी दुनिया में भारत की छवि युवा राष्ट्र के रूप प्रखर है और, राष्ट्र निर्माण की पूरी जिम्मेदारी युवा पीढ़ी के कंधों पर है। यही नई पीढ़ी नवीन भारत के निर्माण में मुख्य भूमिका का निर्वाहन करेगी। जिसमें श्रीरामस्वरुप मेमोरियल विश्वविद्यालय अपने सामाजिक व शैक्षणिक दायित्व निर्वाहन के लिए पूरी तरह से कटिबद्ध है। प्रथम दिन के कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के चांसलर ई. पंकज अग्रवाल, प्रो-चांसलर ई. पूजा अग्रवाल, वाईस चांसलर प्रो. (डॉ.) देवेन्द्र कुमार शर्म, रजिस्ट्रार डॉ. नीरजा जिन्दल समेत कई गणमन्य लोगों द्वारा दीप प्रज्वलन किया जाएगा। कार्यक्रमों की सूची में लाइव स्केचिंग, लाइव पेंटिंग, फेस पेंटिंग, नुक्कड नाटक, शब्द श्रृंखला, वाटर डांस के साथ ही रॉक बैंड व कैफियत (कवि सम्मेलन) जैसे दर्जनों कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। दूसरे दिन यानि 15 मार्च 2024 के कार्यक्रम में मुख्य रूप से नवांकुर, टैटू मेकिंग, फोटो टेल, रंगोली, साहित्यदीप, दिल तो बच्चा है जी एवं जो हारा वही सिकन्दर के साथ-साथ नृत्य - गायन, मिस्टर एवं मिस अनुभूति, फैशन शो व डी. जे. ट्रेसर के साथ डी.जे. नाइट जैसै कम आयोजित किए जाएगें। तीसरे दिन यानि 16 मार्च 2024 के कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण स्टार नाइट- अनुभूति 2024 होगा, जिसमें इंडियन आइडल फेम पवनदीप राजन एवं अरुणिता कांजीवाल शामिल होंगें।

हिन्दी दैनिक
गर्ग टाइम्स
समाचार पत्र में
लेख, न्यूज,
विज्ञापन देने हेतु
सम्पर्क करे
8960901000

3.54 करोड़ से बनेगा मनकामेश्वर मंदिर कॉरिडोर, नगर निगम ने काम शुरू किया

आगरा। आगरा के प्राचीन मनकामेश्वर महादेव मंदिर को कॉरिडोर में बदलने का काम शुरू कर दिया गया है। मंदिर के पास की संकरी गलियों और मुख्य मार्ग पर सुंदर चित्रकारी, रंग-बिरंगी रोशनी, दुकानों पर मार्बल वर्क होगा। भक्तों को सभी जरूरी सुविधाएं मिलेंगी। इसके लिए नगर निगम ने 3.54 करोड़ रुपए का बजट पास किया है।इस साल जनवरी में मनकामेश्वर मंदिर के महंत और पार्षदों की मांग पर मेयर हेमलता दिवाकर कुशवाह और नगर आयुक्त अंकित खंडेलवाल ने 3.54 करोड़ रुपए का बजट मंदिर के विकास के लिए स्वीकार किया। इस बजट से आसपास के क्षेत्रों को भी सजाया और संवारा जाएगा। यहां के मुख्य मार्गों को बेहतर बनवाया जाएगा। आसपास की दुकानों में एक ही रंग के मार्बल लगवाए जाएंगे। साथ ही यहां की दीवारों को रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया जाएगा। अतिक्रमण हटाया जाएगा। पार्किंग की सुविधा करने की भी तैयारी है। मुख्य द्वार बनाए जाएंगे। टीन शेड की व्यवस्था की जाएगी, जिससे श्रद्धालु धूप और बरसात में परेशान न हों। बिजली के तारों को अंडरग्राउंड किया जाएगा। गली और सड़क बनाई जाएंगी। बाजार में टॉयलेट्स भी बनाए जाएंगे। पार्षद अनुज शर्मा ने बताया कि मनकामेश्वर मंदिर घने बाजार के बीच है। रावतपाड़ा मुख्य सड़क से मंदिर तक पहुंचने वाली गली में 60-70 दुकानें हैं। ज्यादातर दुकानें पूजा सामग्री की हैं। गली बहुत संकरी है। टू व्हीलर तक नहीं निकल सकते हैं। मंदिर तक पहुंचने के कई और रास्ते भी हैं। मुख्य बाजार यानी रावतपाड़ा में हजारों दुकानें हैं। यह दुकानें रिटेल और थोक दोनों तरह की हैं। श्रद्धालुओं को बाजार में या दूर अपने वाहन खड़े कर आना पड़ता है। विकास कामों की शुरुआत बुधवार को मेयर ने पूजा कर की। मनकामेश्वर मंदिर के महंत योगेश पुरी ने पूजा करवाई। मेयर ने कहा कि यूपी में काशी और मथुरा के बाद आगरा में धार्मिक विकास होंगे। नगर निगम शहर के पुराने मंदिरों की दशा को सुधारने की तरफयोजना बना रहा है। मान्यता के अनुसार, यहां शिवलिंग की स्थापना खुद भगवान शिव ने द्वापर युग में की थी। मथुरा में श्रीकृष्ण के जन्म के बाद उनके बाल-रूप के दर्शन की कामना लेकर कैलाश से चले शिव ने एक रात यहां बिताई थी और साधना की थी। उन्होंने यह प्रण किया था कि यदि वह कान्हा को अपनी गोद में खिला पाए तो यहां एक शिवलिंग की स्थापना करेंगे। अगले दिन जब वह गोकुल पहुंचे तो यशोदा मैया ने उनके भस्म-भभूत और जटा-जूटधारी रूप को देख कर मना कर दिया कि कान्हा उन्हें देख कर डर जाएगा। तब शिव वहीं एक बरगद के पेड़ के नीचे ध्यान लगा कर बैठ गए। कृष्ण को पता चला कि शिव आए हैं तो उन्होंने लीलाएं शुरू कर दीं। रोते-रोते शिव की तरफ इशारा करने लगे। तब यशोदा ने शिव को बुला कर कान्हा को उनकी गोद में दिया और तब कृष्ण चुप हुए। वापसी में शिव ने यहां आकर शिवलिंग की स्थापना की। यहां देसी घी से प्रज्वलित होने वाली 11 अखंड ज्योति लगाता जलती रहती हैं।

बीएचयू के छात्रों को दिया गया आर्मी भर्ती टिप्स, कैडेट्स ने जताई खुशी

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय स्थित संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय के सभागार में एनसीसी के बच्चों को आर्मी में जाने के विभिन्न नियमों एवं बारीकियों को बताया गया। इस दौरान सेना के जवानों ने छात्रों को सेना में कमीशन अफसर बनने की विधियां बताईं। संगोष्ठी में एनसीसी के 5 ग्रुपों को बुलाया गया था। संगोष्ठी में एनसीसी कैडेट को भारतीय सेना अग्निवीर, जूनियर कमीशन अफसर और भारतीय सेवा कमीशन अफसर बनने की विधियां बताई गई। कार्यक्रम में लगभग 400 कैडेट्स पहुंचे थे। कैडेट को बताया कि इस सेवा में जुड़ने के लिए कितनी योग्यता की आवश्यकता होती है। क्या-क्या योग्यता होना आवश्यक होता है। विविध पदों के लिए विभिन्न योग्यताएं होना आवश्यक होती है। इस दौरान छात्रों को आर्मी में कौन-कौन से कैटेगरी होती है, उसको भी विस्तार से बताया गया। आर्मी के कार्यरत जवानों ने बताया कि इसमें

सैनिक तकनीकी सिपाही फार्मा हवलदार, जूनियर कमीशन, ऑफिसर जूनियर कमीशन, ऑफिसर हवलदार, शिक्षा, अग्निवीर सहित अन्य पद होते हैं। कर्नल ऋषि दुबे ने बताया कि भारत सरकार इंडियन आर्मी ने यह 12 जिले पूर्वांचल को दिए हुए हैं। उन्होंने इस उद्देश्य से दिया है कि आर्मी में जाने वाले इच्छुक बच्चों को इसके विषय में बताया जाए। इसकी बारीकियां सिखलाई जाए। उन्होंने बताया कि आर्मी की अग्निवीर योजना जो है, उसका तीसरा रजिस्ट्रेशन चल रहा है, जो की 12-13 फरवरी से स्टार्ट हुआ है, और लगभग 20 मार्च तक चलेगा।

उत्तर प्रदेश

फेम ज़िला आगरा के जिलाध्यक्ष घोषित हुए वरिष्ठ समाजसेवी राजेश खुराना

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

आगरा। आज फेडरेशन ऑफ आल इंडिया व्यापार मंडल की एक आवश्यक बैठक फेम के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह सोबती की अध्यक्षता में खंदारी स्थित होटल सी.पी.पैलेस में आहूत हुई। बैठक में फेम की आगामी कार्ययोजना पर चर्चा से पूर्व सर्वप्रथम भूपेंद्र सिंह सोबती ने वरिष्ठ समाजसेवी राजेश खुराना को फेम का ज़िला अध्यक्ष घोषित किया एवं शीघ्र ही आपसी विचार विमर्श कर कार्यकारिणी गठन करने के लिए निर्देशित किया। इस अवसर पर नवनियुक्त जिलाध्यक्ष राजेश खुराना ने कहा कि शीघ्र ही प्रदेश अध्यक्ष के

निर्देशानुसार अप्रेल के प्रथम सप्ताह तक फेम की कार्यकारिणी का गठन कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही शहर में आगरा शहर के सभी वर्गों के व्यापारियों को फेम का सदस्य बनाया जाएगा एवं फेम व्यापारियों की प्रत्येक समस्या के समाधान के लिए प्रयासरत रहेगा। इस दौरान इस बैठक में शिवम गर्ग, धर्मवीर कौशिक, दीप बघेल, अनुज सिंघल, अमन कुलकरिष्ठ, संतोष सिंह, चंद्रभान, मनोज शर्मा, राजपाल राजपूत, नीतेश उपाध्याय, लिली गोयल, अमित बजाज, पूरण चंद्र वर्मा, जीतेश कुमार, प्रेम शर्मा, गौरव जैन, मनीश कुमार, मुकेश निर्वाणिया, मनोज कुमार, रूपेश कुमार, मनोज खंडेलवाल, नागेंद्र शर्मा उपस्तिथ रहे एवं सभी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

वाराणसी के 6 स्लम इलाकों में होगा एआई से वैक्सीनेशन

वाराणसी। वाराणसी के 6 स्लम इलाकों में एआई वैक्सीनेशन लागू किया जाएगा। स्लम और घनी बस्तियों में शामिल बजरडीहा, कज्जाक पुरा, कोनिया, लहरतारा, नई बस्ती और शिवपुर में ये काम किया जाएगा। बच्चों की मां को बल्क में ऑडियो-विजुअल मैसेज और अलर्ट भेजे जाएंगे। इस काम के लिए एआई चौटबॉट और वॉट्सऐप को क्लब कर दिया गया है। इस पूरे प्रोग्राम को हैप्पी बेबी कार्यक्रम का नाम दिया गया है। शहर के इन 6 स्लम इलाकों में 100: वैक्सीनेशन का टारगेट सेट किया है। यहां रहने वाली बच्चों की मां के मोबाइल पर पर्सनल मैसेज भेजा जाएगा। उनको समय-समय पर आगामी वैक्सीनेशन से छूटे बच्चों की मां को आगामी वैक्सीनेशन दिवस पर बधाई, वैक्सीनेशन की सूचना और बाकी टीकों के बारे में जानकारियां दी जाएगी। वाराणसी में स्वास्थ विभाग के साथ अमेरिकी एक्सपर्ट्स के साथ एक कॉन्फ्रेंस हुआ। उसी में ये हैप्पी बेबी प्रोग्राम लॉन्च किया गया। इस प्रोग्राम के प्रमुख और ै। स्थित जॉन्स हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ. राजीव एन रिमल ने कहा, वाराणसी में मां और बच्चों की लाइफ को बेहतर बनाना है। ये ही हमारी मेन प्रायॉरिटी है। मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल ने कहा हमारे फ्रंटलाइन कार्यकर्ता आमतौर पर बहुत बिजी रहते हैं। हैप्पी बेबी प्रोग्राम वैक्सीनेशन को बढ़ावा देने के साथ-साथ उनके लिए कुछ राहत लेकर आया है। कई देशों में हैप्पी बेबी की मदद से वैक्सीनेशन में काफी बढ़ोतरी हुई। इसके सोशल नेटवर्क एनालिसिस में देखा गया है, कि यूजर्स में वैक्सीन को लेकर भरोसा बढ़ा है। इससे ये समझने में मदद मिली कि कैसे लोगों के एक-दूसरे के साथ वैक्सीनेशन कम्युनिकेशन रिलेशन हैं। किन मानदंड और विजन को प्रोत्साहित कर सकते हैं? इसकी स्टडी के करने वाले लोयोला यूनिवर्सिटी मैरीलैंड के डॉ. नील एल्परस्टीन ने बताया, ष् एनालिसिस के बाद ये वैक्सीनेशन की जानकारी उनकी है, जिन लोगों का प्राइमरी नेटवर्क उनका नजदीकी या दूर का परिवार था।चौटबॉट डिजाइनर सिद्धार्थ रथ ने कहा कि एआई के साथ इंटरैक्टिव चौटबॉट में वॉट्सऐप पर ऑडियो-वीडियो मटेरियल को शामिल किया

संक्षिप्त समाचार

मूड़ा बुजुर्ग, ढखेरवा नानकर पर 6-6 शैय्या वार्ड वृद्धि का लोकार्पण

लखीमपुर खीरी। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी द्वारा सीएचसी निघासन में 20 शैय्या वार्ड सहित दो पीएचसी मूड़ा बुजुर्ग, ढखेरवा नानकर पर 6-6 शैय्या वार्ड वृद्धि का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता भी मौजूद रहे। इस दौरान केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा ने कहा कि जनपद के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने का कार्य चल रहा है। जनपद में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का निर्माण किया गया है। जिससे स्वास्थ्य सेवा में बेहतर हो रहीं हैं। निघासन सीएचसी पर 20 शैय्या वार्ड बढ़ाया गया है। वहीं पीएचसी मूड़ाबुजुर्ग ढकेरवा, नानकार और रमियाबेहड़ में भी 6-6 शैय्या अतिरिक्त बेड की व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम में डीपीएम अनिल यादव सहित सीएचसी अधीक्षक डॉ प्रमोद रावत, बीपीएम, बीसीपीएम व बैम सहित स्टाफ नर्स, आशा संगिनी, आशा आदि स्वास्थ्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला पुरुष चिकित्सालय में तैनात संविदा कर्मचारियों की हुई बैठक

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ लखीमपुर खीरी इकाई के बैनर तले एक आवश्यक बैठक जिला पुरुष चिकित्सालय एमसीएच विंग ओयल के मीटिंग हॉल में हुई। जिसमें कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई। इस दौरान डॉ शिशिर पांडे द्वारा समस्त कर्मचारियों को संगठन के बैनर तले जोड़ने के लिए योजना बनाने को लेकर विचार दिया गया। जिसमें संविदा आउटसोर्सिंग और कांटेक्ट पर काम कर रहे कर्मचारियों को संगठन के बैनर तले जोडने पर चर्चा हुई। इसमें मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर्स और स्टाफ को भी शामिल करने पर चर्चा हुई। जिसका सभी ने पुरजोर समर्थन किया। इस दौरान समान कार्य समान वेतन और वेतन विसंगत सहित कर्मचारियों को राज्य कर्मचारियों की बात ही सुविधाएं दिए जाने को लेकर राज्य स्तर पर संगठन द्वारा किए जा रहे हैं प्रयासों और उन पर किए जा रहे कार्यों को लेकर भी बताया गया। साथ ही कहा गया कि संविदा के नाम पर शोषण की नीति नहीं चलाई जानी चाहिए। जल्द ही संगठन के बैनर तले अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सीएमएस सीएमओ और मिशन निदेशक सहित स्वास्थ्य मंत्री को भेजने की तैयारी की जा रही है। इस दौरान डॉ कर्मवीर सिंह द्वारा संविदा आउटसोर्सिंग और कांटेक्ट पर काम कर रहे सभी कर्मचारी से अनुरोध किया गया है कि वह संगठन के बैनर तले जुड़कर एक शक्ति के रूप में काम करें। इस दौरान संगठन के जिला मीडिया प्रभारी देवनंदन श्रीवास्तव सहित जिला पुरुष चिकित्सालय अध्यक्ष विवेक मित्तल सहित फार्मासिस्ट मनोज मौर्या, पंकज शुक्ला, अनुज त्रिवेदी, स्तुति कक्कर, अतुल पांडे, सुरेंद्र कश्यप, प्रीति सिंह, अरविंद वर्मा, गौरव, ब्रजेश सहित अन्य संविदा कर्मचारी उपस्थित रहे।

सरकार कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए कई योजनाएं चला रही है: प्रेमावती

हरदोई। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पीएम सूरज पोर्टल को लांच किया गया। प्रधानमंत्री द्वारा सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की कुछ आर्थिक सशक्तिकरण योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद किया गया। उन्होंने लाभार्थियों से योजनाओं के सम्बन्ध में उनके अनुभव जाने। लाभार्थियों ने योजना से उनके जीवन में आये बदलावों के बारे में बताया। नगर पालिका हरदोई के सभागार में आयोजित जनपद स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य कार्यक्रम का सजीव प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती व विशिष्ट अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष सुखसागर मिश्र मधुर रहे। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कार्यक्रम में उपस्थित जनपद के पिछड़ा वर्ग व अनुसूचित जाति वर्ग के लाभार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि सरकार कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए बहुत योजनाएं चला रही है। योजनाओं से इन वर्गों की आर्थिक बेहतर हुई है। नगर पालिका अध्यक्ष सुखसागर मिश्र मधुर ने कहा कि सरकार कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए संकल्पित है। अतिथियों द्वारा लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किये गए। इसके साथ ही सफाई कर्मचारियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किये गए। इस अवसर पर एलडीएम अरविन्द रंजन, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी विनीत कुमार तिवारी व जिला समाज कल्याण अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

एंबुलेंस में प्रसव,जच्चा बच्चा सकुशल

मल्लावां (हरदोई)एंबुलेंस में गर्भवती महिला को सुरक्षित आईएमटी व आशा पायलट की सूझ बूझ से सकुशल नवजात बच्चे को जन्म दिया। प्रशव के जच्चा बच्चा दोनों सुरक्षित हैं । मल्लावां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात 102 एंबुलेंस यूपी 32 ईजी 0965 पर बुधवार को प्रसव होने की सूचना मिली। सूचना मिलने पर ईएमटी शिवम यादव व पायलट विवेक दीक्षित तत्परता से प्रसूता के घर डकौली पहुंचे। जहां पर पहले से मौजूद आशा अनीता व ईएमटी शिवम यादव ने प्रसूता को एंबुलेंस से लेकर सीएचसी मल्लावां आ रहे थे । प्रसूता रिंकी पत्नी नीरज 24 वर्ष को एंबुलेस में असहनीय पीड़ा होने लगी।एमटी,पायलट व आशा की सूझबूझ के चलते रिंकी ने एम्बुलेंस में नवजात शिशु को जन्म दिया।प्रसव के बाद जच्चा बच्चा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है । सीएचसी अधीक्षक डॉक्टर संजय सिंह ने बताया कि एंबुलेंस में प्रसव हुआ है।जच्चा बच्चा दोनों सुरक्षित है।

लखनऊ में मजदूर सभा, समाजवादी पार्टी द्वारा परिवर्तन चौक पर एक दिवसीय भूख हड़ताल

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

लखनऊ में आज दिनांक 13/03/24 को राहुल निगम वारसी राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी मजदूर सभा के नेतृत्व में बेहताशा बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी,भ्रष्टाचार तथा सरकारी संस्थानों में निगमीकरण एवं निजीकरण के खिलाफ एक दिवसीय भूख हड़ताल का कार्यक्रम रखा गया।

समाजवादी मजदूर सभा द्वारा इस भूख-हड़ताल में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता काफी संख्या में मौजूद रहे उनका यही कहना था कि सरकार बिल्कुल भी जनता की बातें नहीं सुन रही है और जनता के ऊपर हर तरीके से जुल्म किया जा रहा है। बेरोजगारों को नौकरी नहीं मिल रही है महंगाई चरम सीमा पर बढ़ती चली जा रही है। हर तरफ लूट मची है।जनता के लिए जो मूलभूत सुविधाएं हैं उसको प्रदान करने में सरकार पूरी तरीके से विफल रही है। संविधान के साथ

खुला खिलवाड़ किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में फरजान हैदर राष्ट्रीय महा सचिव मजदूर सभा समाजवादी पार्टी, आसिफ़ इकबाल ज़ैदी राष्ट्रीय कार्यकरिणी सदस्य अल्पसंख्यक सभा, संतोष यादव प्रमुख महासचिव प्रतापगढ़, यजुवेंद्र प्रताप सिंह शिवराम वाल्मीकि, अंजू यादव इटावा , विनोद चौधरी नोएडा, राकेश निषाद सभासद, गोलू वाल्मीकि, राफे ख़ान इत्यादि उपस्थित थे।

सुधाकर महिला पीजी कॉलेज की छात्राओं ने निकाली रैली

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

वाराणसी। सुधाकर महिला पीजी कॉलेज में बुधवार को राष्ट्रीय सेवा योजना सात दिवसीय शिविर की शुरुआत हुई। रैली के माध्यम से छात्राओं ने लोगों को डिजिटल भारत अभियान के प्रति लोगों को जागरूक किया। स्वंमसेवी छात्राओं ने कंप्यूटर और स्मार्ट मोबाइल के प्रयोग की जानकारी दी। वहीं सरकार की ओर से चलाई जा रही डिजिटल भारत के विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रभु नारायण दुबे ने डिजिटल भारत अभियान रैली को हरी झड़ी दिखा कर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि डिजिटल भारत का उद्देश्य नागरिकों को आधुनिक रूप से सशक्त बनाना है। मुख्य अतिथि संस्थान समूह के निदेशक आशीर्वाद दुबे ने कहा कि डिजिटल भारत का उद्देश्य नागरिकों को इलेक्ट्रानिक रूप से सशक्त बनाना है। जिससे सरकारी सेवाओं को आसानी से प्राप्त कर सकें।छात्राओं ने लोगों को ऑनलाइन माध्यम से पेमेंट के माध्यम और इसके फ़ायदे बताए। वहीं साइबर अपराध से बचाव की जानकारी दी। महाविद्यालय के समन्वयक डॉ. अशोक कुमार पांडेय ने कहा कि डिजिटल भारत के आने से बड़े-बड़े शहरों से लेकर छोटे-छोटे गांव तक के लोग डिजिटल भारत के सपनों को साकार कर रहे हैं। इससे अर्थव्यवस्था भी मजबूत हो रही है। इस दौरान उपप्राचार्या डॉ. रमा दुबे, डॉ. मंजु त्रिपाठी, डॉ. अनीश उपाध्याय, डॉ. राजकुमार डॉ. रोली पांडेय, डॉ. ऊषा उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

नोएडा प्राधिकरण ने जारी की स्वच्छता रैंकिंग

नोएडा। प्राधिकरण ने अलग-अलग वर्ग में स्वच्छता रैंकिंग जारी की। सबसे साफ सेक्टर का पुरस्कार सेक्टर-15ए और सेक्टर-34 की आरडब्ल्यूए को मिला। सबसे साफ सोसाइटी का पुरस्कार सेक्टर-100 सेंचुरियन अपार्टमैंट की एओए को मिला। प्राधिकरण ने स्वच्छता रैंकिंग कराई थी। इसके लिए प्रत्येक प्रतिभागी परिसर का जमीनी स्तर पर सर्वे किया गया। इसके बाद प्रत्येक श्रेणी में सबसे अधिक अंक प्राप्त करने वाले 3-3 प्रतिभागियों को विजेता घोषित किया गया। नोएडा प्राधिकरण के जनस्वास्थ्य विभाग के डीजीएम एसपी सिंह ने बताया कि सेक्टरों की आरडब्ल्यूए की श्रेणी में सेक्टर-15ए और सेक्टर-34 ने पहला और सेक्टर-51 की ए और बी ब्लॉक आरडब्ल्यूए ने दूसरा स्थान पाया। बाजार की श्रेणी में सेक्टर-53 कंचनजंघा को पहली, सेक्टर-29 ब्रह्मपुत्रा को दूसरी और सेक्टर-50 सेंट्रल बाजार को तीसरी रैंकिंग दी गई। सरकारी विभागों की श्रेणी में सेक्टर-16ए स्थित बीएचईएल को पहला, सेक्टर-29 स्थित एनएमआरसी को दूसरा और सेक्टर-148 स्थित जीएसटी ऑफिस को तीसरा स्थान दिया गया। डीजीएम एसपी सिंह ने नोएडा शहर को साफ रखने एवं स्वच्छ सर्वेक्षण में नोएडा को पहले स्थान पर लाने के लिए लोगों को जागरूक किया। उन्होंने बड़े कूड़ा उत्पादक को नियमों के तहत काम करने को चेताया। स्वच्छ सर्वेक्षण के मानकों एवं कचरे को पृथक-पृथक करने के विषय में जानकारी दी। सोसाइटी की श्रेणी में सेक्टर-100 सेंचुरियन अपार्टमैंट को पहला, सेक्टर-168 द गोल्डन पाम को दूसरा और सेक्टर-121 होम्स 121 को तीसरा स्थान मिला। अस्पतालों की श्रेणी में सेक्टर-27 कैलाश अस्पताल ने पहला स्थान पाया है।

श्री राम कथा के लिए रखी गई प्रेस वार्ता

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

लखनऊ। दिनांक 13.3.2024 मेज़बान होटल में श्री राम कथा के लिए रखी गई प्रेस वार्ता में आचार्य देवमुरारी बापू ने कहा अयोध्या में 500 वर्ष के लंबे संघर्ष के बाद 22 जनवरी को राम मंदिर में राम लला की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठित की गई इसी उपलक्ष्य में लखनऊ ऐशबाग स्थित रामलीला मैदान में 15 मार्च से 21 मार्च तक साथ दिवसीय श्री राम कथा का भव्य आयोजन रखा गया है, आयोजन अखिल भारतीय पत्रकार एसोसिएशन एवं रामराज स्थापना महामंच के संयुक्त तत्वाधान में कार्यक्रम रखा गया है अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष में अयोध्या में राम कथा एवं यज्ञ का आयोजन रखे गए है, तो लखनऊ में राम कथा का आयोजन रखा गया है दोनों नगरों को जोड़कर आचार्य देवमुरारी बापू ने कहा कि रामलला की स्थापना अवधपुरी में हुई है तो लखनऊ भी लक्ष्मण पुरी है जिसको कालांतर में नाम बदलकर लखनऊ रख दिया गया था अब इसका नाम लक्ष्मण पुरी होना चाहिए यह कथा लक्ष्मण पुरी में की जा रही है यह मांग उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से ज्ञापन देकर की जाएगी। साथ ही देवमुरारी बापू ने कहा राम कथा जगत के कल्याण के लिए एवं अंत:करण शुद्ध करने के लिए की जाती है और संसार में भक्ति प्राप्त करने का राम के सानिध्य में पहुंचने का इससे अच्छा और सरल तरीका कोई नहीं होता है यह केवल राम कथा ही हमको सिखाती है। आज की दुनिया पश्चात संस्कृति की ओर जा रही है जो मर्यादा नष्ट करने का कार्य कर रही है पाश्चात्य संस्कृति को अपनाने वाले लोग अल्प आयु के हो जाते हैं और इससे हमारे घर और आस पड़ोस में कलह की स्थिति पैदा हो जाती है ऐसे में राम कथा एक ऐसा साधन है जो परिवार व आसपास के लोगों को एकत्र करने का संगठित होने का साधन भी माना जाता है राम कथा के माध्यम से ही अकाल मृत्यु प्राप्त होने वाले व्यक्ति को ही मोक्ष का रास्ता दिखा देती है कलयुग में इससे बड़ा और कोई दूसरा साधन नहीं है यह बात भगवान श्री राम ने अपने राजगद्दी पर बैठकर सभी लोगों को उपदेश देते हुए कहा था। आज हम राम अपने आप राम भक्त को बोलते हैं लेकिन राम की बातों को नहीं मानते ऐसी स्थिति में रामराज्य की कल्पना करना व्यर्थ है राजनीति और धर्म को जोड़ते हुए आचार्य देवमुरारी बापू ने कहा की कथा मंच पर कई राजनीतिक कई व्यापारी एवं प्रबुद्ध वर्ग के लोग सम्मिलित होंगे और यजमान के रूप में पूजा अर्चन कर कथा का शुभारंभ भी कराया जाएगा। कथा समिति के आयोजन अखिल भारतीय पत्रकार एसोसिएशन अध्यक्ष वीरेंद्र मिश्रा ने कहा समय तिथि भले ही बदल गई हो लेकिन राम जी के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की धूम आज भी है इसी पर उपपेक्ष में आचार्य देवमुरारी बापू द्वारा सात दिवसीय राम कथा का आयोजन रामलीला मैदान में रखा गया है ।

ज़िन्दगी का तुमसे मै कैम्पेन दे रहा है महिलाओं के सशक्तिकरण पर बातचीत को बढ़ावा

महिलाओं को समर्पित इस महीने में ज़िन्दगी पर देखिये महिलाओं की दमदार कहानियाँ और परफॉर्मेंसेस

गर्ग टाइम्स, संवाददाता

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का जोरदार तरीके से स्वागत करते हुए, ज़िंदगी अपने नये कैम्पेन TumseMain के साथ महिलाओं की आवाज को बुलंद करने के लिये तैयार है। ज़िंदगी ताकत, बहादुरी और निडरता से भरा कंटेन्ट दिखाने के लिये प्रतिबद्ध है। यह चैनल दर्शकों को उन महिलाओं की शक्ति जानने के लिये आमंत्रित कर रहा है, जो दूसरी महिलाओं का सहयोग करती हैं। इसमें दिखेगा कि एक महिला के सहयोग से दूसरी महिला को ज्यादा ताकतवर, बहादुर और निडर होने का एहसास कैसे मिलता है। इस कैम्पेन की जान उन शोज का सावधानी से तैयार किया गया लाइनअपहै, जिनमें महिलाओं के बेहतरीन परफॉर्मेंसेस हैं। इनमें सबसे आगे है सबा क़मर का शो चीख। यह मन्नत की कहानी है, जिसकी भूमिका सबा निभा रही हैं। उसके प्रभावशाली जीजा पर उसके दोस्त नायब की हत्या का आरोप लगा है। अब मन्नत को इंसाफ चाहिये। ष्धर रक़ीब से''

में सानिया सईद का किरदार हादिक़ा कियानी के किरदार सकीना को सुरक्षा और आश्रय देने के लिये सारी अड़चनों को पार करता है। सकीना घरेलू हिंसा के कारण अपना घर छोड़ देती है और चाहती है कि मकसूद का परिवार उसे अपना ले। दीदान में सनम सईद का किरदार और उसकी सहेली एक गांव में रहती हैं। उनकी परिस्थितियाँ अलग होने के बावजूद वे लगातार एक-दूसरे का सहयोग करती हैं और ध्यान रखती हैं। इसमें अटूट दोस्ती और संवेदना दिखाई देती है। इस सिनेमाई सफर में ''आयशा'' फिल्?म भी शामिल है, जिसमें यासरा रिज़वी की मुख्य भूमिका है। यह एक अधेड़ गृहिणी की कहानी है, जो अपने परिवार के लिये पूरी तरह से समर्पित है। लेकिन उसका परिवार उसे उतना महत्व नहीं देता है। फिर वह हिम्?मत जुटाकर अपने लिये खड़ी होती है और अपना कॅरियर बनाने निकल पड़ती है। इसके अलावा, ''मुझे प्यार हुआ था'' में हानिया आमिर और वहाज अली हैं। यह शो भी प्यार और सशक्तिकरण पर एक नया नजरिया देने का वादा करता है। इक़रा अज़ीज़ की ''रांझा रांझा करदी'' में समाज का कड़वा सच दिखाई पड़ता है। झुग्गी में रहने वाली एक लड़की निश्चय करती है और बेहतर जिन्दगी पाने के सफर पर निकलती है। और अंत में हमारे पास सनम बलोच का ''धूप छांव'' है, जिसमें एक औरत अपनी माँ के बताये अनुभवों से अपनी शादी को बचाने की कोशिश करती है। हिन्दी मीडियम से मशहूर हुई एक्टर सबा क़मर ने ज़िन्दगी के नये कैम्पेन TumseMain की तारीफ करते हुए कहा, मुझे महिलाओं के बीच पारस्?परिक सहयोग की भावना दिखाने वाला 'तुमसे मैं' कैम्पेन बहुत पसंद आया है। हम सभी पर सामाजिक दबाव होता है और खुद के बारे में शंका भी होती है। लेकिन एक-दूसरे का साथ हमें राहत देता है। हमें जरूरत के वक्त सहयोग मिलता है। और अपने कीमती अनुभवों को साझा करने से हमारी आवाज में बुलंदी आती है। अपने परफॉर्मेंसेस के जरिये मैं उस प्यार और हिम्?मत को दोहराना चाहती हूँ, जो मेरी जिन्दगी में मुझे असरदार औरतों से मिली है। अगर मेरे काम से दूसरों को यह भरोसा मिले कि महिलाएं एकजुट होकर ज्यादा मजबूत हो जाती है, तो यह मेरा सबसे बड़ा सम्मान होगा। पाकिस्तानी अभिनेत्री इक़रा अज़ीज़ ने उन्हें सशक्त करने वाली महिलाओं के उनके जीवन पर प्रभाव और ज़िन्दगी के कैम्पेन TumseMain पर अपने विचार रखते हुए कहा, मजबूत औरतों के किरदार निभाना काफी मायने रखने वाला रहा है।लेकिन मेरी जिन्दगी की सबसे ताकतवर महिलाएं वे हैं, जो मुझे पर्दे के पीछे ताकत देती हैं। खासकर मेरी माँ मेरी ताकत है, वह हर ट्विस्ट और टर्न में मुझे बिना किसी चीज के बदले में सहयोग देती है।

पूजा भट्ट स्टारर बिग गर्ल्स डोंट क्राई का ट्रेलर हुआ रिलीज, गर्ल-पॉवर पर बेस्ड हैं ये अनोखी सीरीज

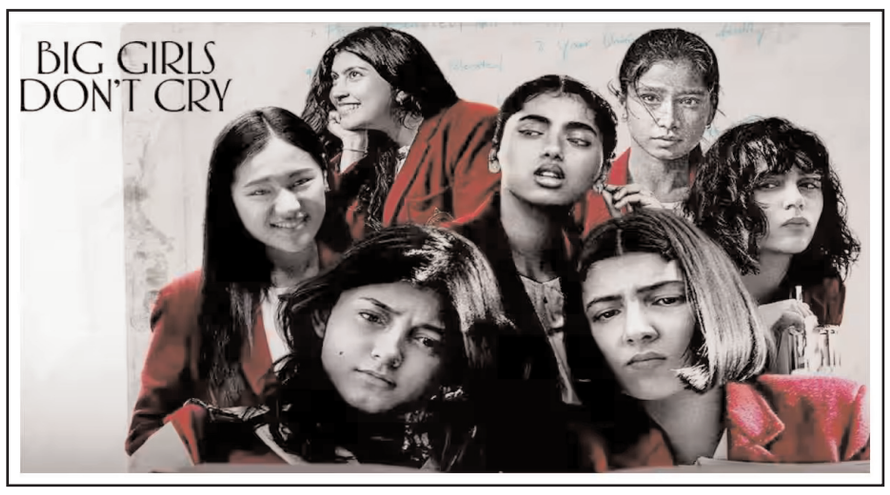

मुंबई। प्राइम वीडियो ने आज अपनी आगामी ओरिजिनल हिंदी सीरीज, बिग गर्ल्स डोंट क्राई का ट्रेलर लॉन्च किया. इस सीरीज में अवंतिका वंदनापु (लूडो), अनीत पद्दा (रूही), दलाई (प्लगी), विदुषी (काव्या), लाक्यिला (जे.सी.), अफरा सैयद (नूर), और अक्षिता सूद (दीया) जैसे प्रतिभाशाली सितारे मुख्य भूमिकाएं निभा रहे हैं. इनके साथ पूजा भट्ट, राइमा सेन, ज़ोया हुसैन और मुकुल चड्ढा केंद्रीय भूमिकाओं में हैं. नित्या मेहरा द्वारा तैयार की गई इस सीरीज का सह-निर्देशन नित्या मेहरा, सुधांशु सरिया, करण कपाडिया और कोपल नैथानी ने किया है. सीरीज में से हर व्यक्ति ने अपने बोर्डिंग स्कूल के अनुभवों के आधार पर कहानी में एक निजी अहसास जोड़ा है. बिग गर्ल्स डोंट क्राई का प्रीमियर 14 मार्च को होने जा रहा है. ट्रेलर मशहूर वंदना वैली में चल रही बोर्डिंग लाइफ की एक झलक दिखलाता है. वहां सात लड़कियों का एक समूह स्कूल कैंपस पर राज करने के पक्के इरादे से, स्कूल में अपने अंतिम वर्ष की तैयारी कर रहा है. एक बाहरी लडक़ी काव्या यादव, दोस्त बनाने और शानदार जिंदगी जीने की उम्मीद लेकर कैंपस में दाखिल होती है. नूर की नजरें स्कूल की कप्तानी करने पर टिकी हैं, जबकि लूडो स्पोर्ट्स की कप्तानी हासिल करने के चक्कर में है. रूही और जे.सी. अपने सौंदर्य-व्यवसाय को सफल बनाने में जुटी हुई हैं, तो प्लगी ने खुद की भव्य और विशाल योजनाएं बना रखी हैं. विद्रोही-कवयित्री दीया, क्लास की घंटी बजने से पहले ही स्कूल की दीवार फांद जाने के मंसूबे बांधती है. वंदना वैली की प्रिंसिपल बनीं पूजा भट्ट का कहना है कि मैंने बिग गर्ल्स डोंट क्राई में काम करने के लिए इसलिए हामी भरी थी कि इसकी कहानी, माहौल और किरदारों ने मुझ पर जादू कर दिया था. अपने मन की बात खुल कर कहने और अधिकारपूर्वक सवाल पूछने से कभी न कतराने वाली एक बागी टीनएजर होने के नाते, मुझे अनीता वर्मा का किरदार निभा कर बड़ा मजा आया. सीरीज में लूडो का किरदार निभा रहीं अवंतिका ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा, लूडो जैसी भूमिका निभाने का मौका जिंदगी में कभी-कभार ही मिलता है. जब भी मुझे नित्या मेहरा और आशी दुआ जैसी कमाल की महिलाओं के साथ काम करने और सेट पर साथी लड़कियों के साथ समय गुजारने की याद आती है, तो मैं कृतज्ञता से भर उठती हूं.

ऐ वतन मेरे वतन से इमरान हाशमी की पहली झलक आई सामने, स्वतंत्रता सेनानी राम मनोहर लोहिया का निभाएंगे किरदार

मुंबई। सारा अली खान अपनी अपकमिंग फिल्म ये वतन मेरे वतन लेकर चर्चा में बनी हुई हैं. ये फिल्म लंबे समय से चर्चा में है. फिल्म जल्द ही रिलीज होने वाली है. कुछ समय पहले सारा अली खान का लुक सामने आया था. वहीं अब फिल्म में गेस्ट अपीरियंस देने वाले इमरान हाशमी का भी लुक जारी कर दिया गया है. इस फिल्म में एक्टर स्वतंत्रता सेनानी राम मनोहर लोहिया के किरदार में नजर आने वाले हैं. सारा अली खान अपनी अपकमिंग फिल्म ये वतन मेरे वतन लेकर चर्चा में बनी हुई हैं. ये फिल्म लंबे समय से चर्चा में है. फिल्म जल्द ही रिलीज होने वाली है. कुछ समय पहले सारा अली खान का लुक सामने आया था. वहीं अब फिल्म में गेस्ट अपीरियंस देने वाले इमरान हाशमी का भी लुक जारी कर दिया गया है. इस फिल्म में एक्टर स्वतंत्रता सेनानी राम मनोहर लोहिया के किरदार में नजर आने वाले हैं. बता दें कि राम मनोहर लोहिया ने अंडरग्राउंड रेडियो को स्थापित करने और चलाने में अहम भूमिका निभाई, जो क्विट इंडिया मूवमेंट के दौरान महत्वपूर्ण था. उन्हें अपनी पूरी यात्रा के दौरान कई बार जेल में डाला गया, कैद किया गया और टॉर्चर भी किया गया लेकिन ब्रिटिश राज के खिलाफ देश की लड़ाई उन्होंने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया. फिल्म ये वतन मेरे वतन में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के गुमनाम नायकों को श्रद्धांजलि देती है. फिल्म में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए इमरान ने कहा कि- मैंने पहले कभी स्वतंत्रता सेनानी की भूमिका नहीं निभाई है।

श्रीजिता डे ने शैतानी रस्में में डायन का किरदार निभाने पर की खुलकर बात

शैतानी रस्में मे छाया डायन का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस श्रीजिता डे ने शो में अपनी भूमिका पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें सुपरनैचुरल किरदारों से गहरा लगाव है। अपनी भूमिका के बारे में बोलते हुए श्रीजिता ने कहा, मैंने पहले एक चुड़ैल का किरदार निभाया, लेकिन यह पहली बार है कि मैं एक डायन का अवतार ले रही हूं। असाधारण शक्तियों का इस्तेमाल करने की क्षमता के कारण मुझे सुपरनैचुरल नाटकों से गहरा लगाव है। मेरा किरदार असाधारण रूप से मजबूत और 200 साल की उम्र वाली एक महिला का है, जिसकी शक्ति उसकी चोटी में होती है। उतरन फेम एक्ट्रेस ने कहा, उनकी उपस्थिति आकर्षण और मोहक है, जो उनकी मनमोहक सुंदरता के साथ उनके प्रभाव को बढ़ाती है। तैयारियों के बारे में बात करते हुए बिग बॉस 16 की प्रतियोगी ने कहा, एक सुपरनैचुरल शो में डायन या चुड़ैल की भूमिका निभाने के लिए अच्छी तरह से की गई तैयारी बेहद जरूरी है जिसमें खुद को पूरी तरह से डुबोना पड़ता है। एक्ट्रेस ने आगे कहा, इस तरह की भूमिका निभाने के लिए मैंने खुद को पूरी तरह से समर्पित करने के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिया। इस किरदार को निभाने के लिए व्यापक तैयारी की गई थी। शैतानी रस्में स्टार भारत पर प्रसारित होता है।

शिमरी साड़ी में यूं इतराईं जान्हवी कपूर, तस्वीरें देख डोला फैंस का दिल

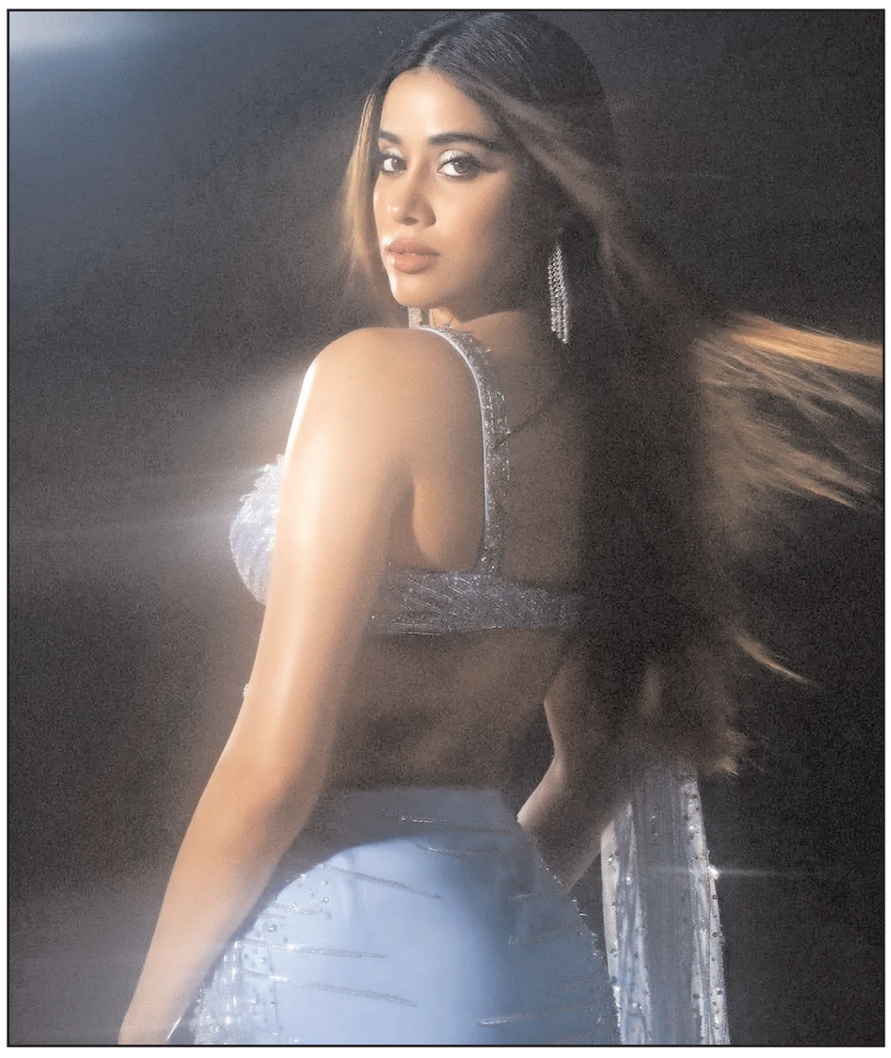

मुंबई । बी-टाउन की खूबसूरत हसीनाओं में से एक जाह्नवी कपूर हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर कर अक्सर सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा देती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर से नजरें नहीं हटा पाते हैं। हाल ही में जाह्नवी कपूर ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक से इंटरनेट पर कहर बरपा दिया है।

अपनी फिल्मों से ज्यादा फिगर और फैशन स्टेटमेंट्स को लेकर लाइमलाइट में रहने वाली एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर बॉलीवुड इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं। वो आए दिन अपनी हॉट एंड बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें शेयर कर फैंस को अपने हुस्न का कायल कर देती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर करती हैं तो अक्सर इंटरनेट पर सनसनी मच जाती हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। हालिया फोटोशूट के दौरान एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने ब्लू कलर की शिमरी साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही गॉर्जियस नजर आ रही हैं। उनका नया लुक सोशल मीडिया पर आते ही छा गया है। आखों में काजल, ग्लैम मेकअप, कानों में इयररिंग्स और ओपन हेयर कर के एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने अपने इस लुक को बेहद ही खूबसूरती से निखारा है। बता दें कि एक्ट्रेस हर बार अपने नए लुक से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर कैमरे के सामने एक से बढक़र एक बोल्ड अंदाज में पोज देते हुए हॉट फोटोशूट करवा रही हैं। एक्ट्रेस की इस अदा पर फैंस फिदा हो गए हैं।

गर्मी के मौसम में ठंडक का अहसास देंगी ये 4 आइसक्रीम, आसान है इनकी रेसिपी

गर्मियों के आते ही शरीर से पसीना निकलना शुरू हो जाता है। तेज धूप के कारण शरीर में गर्मी बढ़ जाती है, जो पेट संबंधी समस्याएं पैदा कर सकती है ।ऐसे मौसम में कुछ ऐसा खाने का मन करता है, जिसके जरिए शरीर को ठंडक का अहसास हो। अगर आप भी खान-पान के जरिए ठंडा महसूस करना चाहते हैं तो आइसक्रीम खाना ठीक रहेगा ।इन 5 आसान रेसिपी के जरिए आप स्वादिष्ट आइसक्रीम घर पर बना सकते हैं।

कृष्णकमल फल की आइस पॉप

कृष्णकमल के फल को पैशन फ्रूट भी कहा जाता है, जिससे आप आइस पॉप बना सकते हैं। इसे बनाने के लिए 340 ग्राम कृष्णकमल के फल के गूदे को 2 गिलास नारियल के पानी में मिला दें ।बीज हटाने के लिए छान लीजिए। मिश्रण को आइस पॉपसिकल के सांचे में डालें। सभी सांचों में इस फल के कुछ बीज डालें, फिर लकड़ी की छोटी छड़ियां डालें और कम से कम 6 घंटे के लिए जमा दें।

चेरी आइसक्रीम

चेरी आइसक्रीम बनाने के लिए चेरी को मोटा-मोटा काटकर पीस लें। अब इसमें चीनी और दूध मिलाएं और तेज गति पर 5 मिनट फेंटें, जब तक चीनी घुल न जाए ।इस तैयार मिश्रण को एक बड़े बर्तन में निकालें और 4 घंटे या रातभर के लिए जमने दें ।ताजी चेरी को आप फ्रीज करके भी रख सकते हैं। इसके लिए पहले इन्हें धोएं, फिर सुखाएं और एक एयरटाइट कंटेनर में लंबे समय तक फ्रीज करें।

फ्रूट सलाद आइसक्रीम

सबसे पहले 1 लीटर के टिन में प्लास्टिक रैप लपेट दें। अब क्रीम लें और नरम होने तक फेंटें। इसमें दही और गाढ़ा दूध डालें और 2 मिनट तक फेंटें ।क्रीम मिश्रण का 1/4 हिस्सा टिन में डालें और फिर ऊपर से कटे हुए फल डालें और इस प्रक्रिया को दोहराते रहें ।इसे प्लास्टिक रैप से लपेटकर सख्त होने तक कम से कम 4 घंटे के लिए फ्रीजर में रखें। इसे निकालकर प्लास्टिक हटाएं और काटकर परोसें।

फ्रोजन हनी आइसक्रीम

इस आइसक्रीम को बनाने के लिए एक कटोरे में प्लास्टिक रैप या बेकिंग पेपर लगाएं। एक अलग बड़े कटोरे में क्रीम को कुछ देर तक फेंटें ।अब इसमें शहद और 1 चुटकी नमक डालें। पहले वाले कटोरे में इस तैयार क्रीम के मिश्रण को डालें और कम से कम 2 घंटे के लिए फ्रीजर में जमने दें ।जम जाने पर इसे ब्लू-बेरी, स्ट्रॉबेरी, केले या अपने मनपसंद फलों के साथ खाएं।

गजब फायदेमंद है बैंगनी रंग की पत्ता गोभी, कैंसर से लेकर दिल की बीमारियों का खतरा करेगी कम

सब्जियां सेहत के लिए जबरदस्त फायदेमंद होती हैं. इन्हें खाने से शरीर को भरपूर प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन और फाइबर जैसे पोषक तत्व मिल जाते हैं. इनके सेवन से अनगिनत फायदे भी होते हैं. सबसे ज्यादा फायदे वाली सब्जी में करेला, पालक या ब्रोकोली का नाम आता है लेकिन बैंगनी रंग की पत्तागोभी में भी कई गुण पाए जाते हैं. इसलिए इसे पावरफुल सब्जियों में रखा जाता है. अभी तक आपने हरे रंग की पत्ता गोभी खाया होगा लेकिन बैंगनी पत्तागोभी काफी ज्यादा फायदे वाला है. इसमें जरूरी विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट भर-भरकर पाए जाते हैं. इनके सेवन से शरीर को कई फायदे होते हैं. आइए जानते हैं बैंगनी पत्तागोभी खाने से शरीर को कितना लाभ मिलता है...

बैंगनी पत्तागोभी के फायदे

हार्ट डिजीज और कैंसर का खतरा कम करे

बैंगनी पत्तागोभी में एंथोसायनिन जैसे एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो शरीर में हानिकारक फ्री रेडिकल्स को बेअसर कर ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने का काम करते हैं. इससे कैंसर और हार्ट की बीमारियों का खतरा कम होता है. इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जिससे शरीर का सूजन कम होता है और गठिया, अस्थमा जैसी समस्याओं को कम करने में मदद मिल सकती है.

दिल की सेहत के लिए फायदेमंद

बैंगनी पत्तागोभी में फ्लेवोनोइड्स और पॉलीफेनोल्स जैसे कंपाउंड पाए जाते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम कर ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाते हैं और ब्लड प्रेशर की समस्या को कम कर दिल की सेहत को दुरुस्त रखने का काम करते हैं.

इम्यूनिटी बूस्टर और पाचन के लिए बेहतर

बैंगनी पत्तागोभी विटामिन सी से भरपूर होती है. ये सफेद रक्त कोशिकाओं और एंटीबॉडी का उत्पादन बढ़ाकर इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने का काम करती है. इससे शरीर संक्रमण और बीमारियों से बचती है. फाइबर का बढिय़ा सोर्स होने से बैंगनी पत्तागोभी पाचन को भी बेहतर बनाने के काम आते हैं.

वजन कंट्रोल करे

बैंगनी पत्तागोभी में कैलोरी, फैट कम और फाइबर ज्यादा पाए जाते हैं, जो वजन को कम कर पाचन को बेहतर बनाते हैं. इनके सेवन से भूख अच्छी लगती है. इनमें सल्फर यौगिक पाए जाते हैं, जो लिवर के कार्य करने की क्षमता को अच्छा करने का काम करते हैं. इसके सेवन से शरीर से विषाक्त पदार्थ आसानी से बाहर निकल जाते हैं.

हड्डियां होती हैं मजबूत

बैंगनी गोभी में कैल्शियम, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे जरूरी खनिज पाए जाते हैं, जो हड्डियों को मजबूत और हेल्दी बनाने का काम करते हैं. बैंगनी पत्तागोभी का अगर नियमित तौर पर सेवन किया जाए तो ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने और हड्डियों के घनत्व में सुधार होती है.

अंतराष्ट्रीय-बिजनेस

लंबे समय से था इंतजार, अमेरिका में हिंदुओं के संगठन ने सीएए लागू होने पर जताई खुशी

नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) नियमों की अधिसूचना के साथ लागू हो गया है। सीएए पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के गैर-मुस्लिम शरणार्थियों के लिए नागरिकता का मार्ग प्रशस्त करता है, जिन्होंने धार्मिक उत्पीड़न का सामना किया और 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले भारत में प्रवेश किया। भारतीय-अमेरिकियों ने सीएए को लागू करने के लिए भारत सरकार की प्रशंसा की है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) जैसे हिंदू अमेरिकी समूहों ने सीएए का स्वागत करते हुए इसे लंबे समय से लंबित बताया है। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि भारत का सीएए संयुक्त राज्य अमेरिका में धार्मिक शरणार्थियों के लिए लॉटेनबर्ग संशोधन को प्रतिबिंबित करता है।

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) के कार्यकारी ने कहा कि भारत का नागरिकता संशोधन अधिनियम लंबे समय से लंबित और आवश्यक है। यह भारत में सबसे कमजोर शरणार्थियों में से कुछ की रक्षा करता है, उन्हें वे मानवाधिकार प्रदान करता है जिनसे उन्हें अपने देश में वंचित किया गया था और उन्हें अपने जीवन का पुनर्निर्माण शुरू करने के लिए आवश्यक नागरिकता का स्पष्ट और त्वरित मार्ग प्रदान करता है। एचएएफ ने कहा कि सीएए भारतीय नागरिकों के अधिकारों को संशोधित नहीं करता है या सामान्य आप्रवासन के लिए कोई धार्मिक मानदंड लागू नहीं करता है, न ही यह मुसलमानों को भारत में प्रवास करने से रोकता है। शुक्ला ने कहा कि सीएए 1990 से अमेरिका में लंबे समय से स्थापित लॉटेनबर्ग संशोधन को प्रतिबिंबित करता है, जिसने उन चुनिंदा देशों के समूह से भागने वाले व्यक्तियों के लिए एक स्पष्ट आव्रजन मार्ग प्रदान किया है जहां धार्मिक उत्पीड़न व्याप्त है। हालाँकि, भारतीय अमेरिकी मुस्लिम परिषद (आईएएमसी) ने सीएए की कड़ी आलोचना की है।

बाइडन और ट्रंप ने वाशिंगटन में जीते अपनी-अपनी पार्टी के प्राइमरी चुनाव

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने वाशिंगटन में डेमोक्रेटिक प्राइमरी चुनाव में, वहीं पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रिपब्लिकन प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल कर अपनी पार्टियों की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की ओर कदम बढ़ा दिया है। अमेरिका के जॉर्जिया, मिसीसिपी और वाशिंगटन राज्य में प्राइमरी चुनाव के नतीजों को लेकर हालांकि पहले भी कोई संदेह नहीं था। इन चुनावों में बाइडन और ट्रंप के समक्ष कोई कड़ी चुनौती नहीं थी। इन राज्यों में जीत के साथ ही दोनों नेताओं ने अपनी-अपनी पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के चुनाव के उम्मीदवार के रूप में दावेदारी पेश करने के लिए जरूरी डेलीगेट्स (मतदाताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले पार्टी सदस्य) का समर्थन जुटा लिया है। अब इस बात में कोई संदेह नहीं है कि राष्ट्रपति पद का चुनाव बाइडन और ट्रंप के बीच होना है। हालांकि दोनों ही नेता देश में बहुत अधिक लोकप्रिय नहीं हैं। बाइडन (81) अमेरिकी इतिहास के सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति हैं, वहीं ट्रंप पर अनेक आपराधिक मामले दर्ज हैं। बाइडन की ओर से एक बयान जारी करके जीत तथा उम्मीदवारी पर प्रसन्नता व्यक्त की गई, वहीं ट्रंप को लोकतंत्र के लिए खतरा करार दिया गया। बाइडन ने कहा कि ट्रंप, ''आक्रोश, प्रतिशोध का अभियान चला रहे हैं जो अमेरिका के विचार को खतरे में डालता है।

राष्ट्रपति ने मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को मॉरीशस के 56वें राष्ट्रीय दिवस समारोहों में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक व स्थायी संबंधों को रेखांकित किया। राष्ट्रपति मॉरीशस की तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि मॉरीशस की स्वतंत्रता की 56वीं वर्षगांठ और गणराज्य बनने की 32वीं वर्षगांठ पर मुर्मू की उपस्थिति भारत-मॉरीशस विशेष साझेदारी के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत-मॉरीशस विशेष साझेदारी के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर! राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने चैंप डे मार्स में मॉरीशस की स्वतंत्रता की 56वीं वर्षगांठ और गणराज्य बनने की 32वीं वर्षगांठ के समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

चीन में रेस्तरां में विस्फोट, एक की मौत 22 जख्मी

सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने अपनी एक खबर में बताया कि संदेह है कि यानजिआओ टाउनशिप में चिकन की दुकान पर गैस रिसाव से विस्फोट हुआ है। यानजिआओ बीजिंग के बाहरी क्षेत्र में स्थित है। उत्तरी चीन के हेबेई प्रांत में एक रेस्तरां में बुधवार को गैस रिसाव के कारण विस्फोट होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि 22 अन्य ज़ख्मी हो गए। सरकारी मीडिया के मुताबिक विस्फोट के कारण इमारत और कई गाड़ियों को नुकसान पहुंचा है। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने अपनी एक खबर में बताया कि संदेह है कि यानजिआओ टाउनशिप में चिकन की दुकान पर गैस रिसाव से विस्फोट हुआ है। यानजिआओ बीजिंग के बाहरी क्षेत्र में स्थित है। सानहे के यानजिआओ टाउनशिप में स्थानीय समयनुसार बुधवार सुबह आठ बजे इमारत में विस्फोट हुआ जिससे इमारत और कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गई हैं। घटनास्थल के वीडियो में आग की लपटें और धुएं का गुबार तथा सड़क पर मलबा बिखरा हुआ दिख रहा है। खबर में कहा गया है कि दमकलकर्मी मौके पर पहुंच गए हैं और हालात पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं।

कंगाल पाकिस्तान में बड़ा ऐलान, राष्ट्रपति-गृह मंत्री बिना वेतन के करेंगे काम

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी देश में आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर अपना वेतन नहीं लेंगे। उनके कार्यालय ने पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति ने विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन को प्रोत्साहित करने के प्रयास में यह निर्णय लिया। राष्ट्रपति ज़रदारी के निर्णय का उद्देश्य देश में विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन को प्रोत्साहित करना है। राष्ट्रपति ने वेतन न लेने को प्राथमिकता देते हुए राष्ट्रीय खजाने पर बोझ नहीं डालने का फैसला किया। 9 मार्च को जरदारी को पाकिस्तान के 14वें राष्ट्रपति के रूप में चुना गया, जो इस पद पर उनका दूसरा कार्यकाल था। उन्होंने पहले 2008 से 2013 तक राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया था।

इसी तरह के कदम में मोहसिन नकवी पाकिस्तान के नए आंतरिक मंत्री के रूप में पदभार संभाला और उन्होंने भी इस कार्यकाल के दौरान

अपना वेतन छोड़ने का फैसला किया। उन्होंने मंगलवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस कार्यकाल के दौरान अपना वेतन छोड़ने का फैसला किया है। इस चुनौतीपूर्ण समय में हर संभव तरीके से हमारे देश का समर्थन और सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पिछले कई वर्षों से तेजी से गिरावट की स्थिति में है, जिससे अनियंत्रित मुद्रास्फीति बढ़ रही है। पिछले महीने, यह बताया गया था कि देश नई सरकार को 2024 में देय अरबों डॉलर का कर्ज चुकाने में मदद करने के प्रयास में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से 6 बिलियन अमेरिकी डॉलर का नया ऋण लेने की योजना बना रहा था। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान आईएमएफ के साथ एक विस्तारित फंड सुविधा पर भी बातचीत करना चाहेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि बातचीत मार्च या अप्रैल में शुरू होने की संभावना है। आईएमएफ के अल्पकालिक बेलआउट के कारण, पाकिस्तान 2023 में डिफ़ॉल्ट से बच गया। लेकिन वह बेलआउट इस महीने समाप्त हो जाएगा।

स्मॉलकैप में मचा कोहराम, गिरावट के कारण 11 लाख करोड़ रुपये का हुआ निवेशकों को नुकसान

भारतीय शेयर बाजार में कोहराम मचा हुआ है। कारोबारी सत्र के दौरान मिडकैप और स्मॉलकैप के शेयरों में गिरावट देखने को मिली है। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 1730 अंक नीचे गिरा है। निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 676 अंक नीचे गिरा है। वहीं बीएसई का स्मॉलकैप इंडेक्स और मिडकैप इंडेक्स क्रमशः 1824 और 1382 अंक नीचे गिरा है। मिडकैप और स्मॉलकैप को लेकर सेबी चीफ के बयान के बाद से ही ये लगातार लाल निशान पर कारोबार कर रहे है। मिडकैप और स्मॉलकैप में लगातार गिरावट आ रही है। वहीं बाजार में आई इस गिरावट के कारण निवेशकों को भारी नुकसान हुआ है। निवेशकों को सात लाख करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान उठाना पड़ा है। ये नुकसान

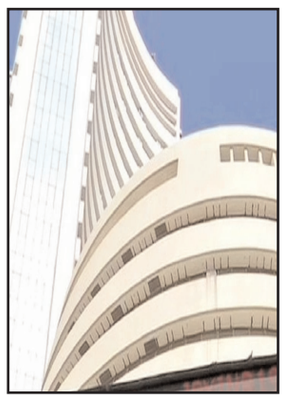

निवेशकों को बाजार खुलने के तीन घंटों में ही उठाना पड़ गया है। बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप भी नीचे गिर गया है। मार्केट कैप 374.79 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचा है। ट्रेड बाजार में निवेशकों को 110.78 लाख करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है। वैश्विक बाजारों के मजबूत रुख तथा विदेशी कोषों के सतत प्रवाह के बीच बुधवार को स्थानीय शेयर बाजार बढ़त के साथ खुले। आईटीसी के शेयरों में भारी लिवाली से भी बाजार को समर्थन मिला। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 384.79 अंक चढ़कर 74,052.75 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 111.05 अंक के लाभ से 22,446.75 अंक पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की कंपनियों में आईटीसी का शेयर छह प्रतिशत से अधिक चढ़ गया। ब्रिटेन की बहुराष्ट्रीय कंपनी बीएटी पीएलसी ने मंगलवार को आईटीसी लि. में 3.5 प्रतिशत हिस्सेदारी संस्थागत निवेशकों को थोक सौदे में बेचने की घोषणा की है। विप्रो, नेस्ले, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर भी लाभ में थे। वहीं पावर ग्रिड, एनटीपीसी, टाटा स्टील और एक्सिस बैंक के शेयर नुकसान में कारोबार कर रहे थे। अन्य एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में, जबकि जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट नुकसान में थे। अमेरिकी बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 73.12 करोड़ रुपये शेयर खरीदे थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.50 प्रतिशत बढ़कर 82.33 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था।

आईटीसी के शेयर में आया शानदार उछाल, निवेशकों की हुई चांदी, छह फीसदी तक हुई बढ़ोतरी

जानकारी के मुताबिक आईटीसी का प्रदर्शन इस वर्ष खास अच्छा नहीं रहा है। इस दौरान आईटीसी को 8.82 फीसदी का नुकसान उठाना पड़ा है। इसके इतर बीते एक वर्ष के दौरान 11 फीसदी का रिटर्न भी आया है जो पॉजिटिव है। आटा से लेकर सिगरेट तक बनाने वाली कंपनी आईटीसी की हिस्सेदारी बेचने की योजना सामने आई है। इसके बाद से ही कंपनी के शेयरों को खरीदने की होड़ निवेशकों में लगने लगी है। आईटीसी के शेयर लगातार हरे निशान पर ही कारोबार कर रहे है। बाजार में आईटीसी के शेयरों में तेजी दिख रही है। बुधवार को आईटीसी के शेयरों में छह प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली है। आईटीसी के शेयर 435 रुपये पर खुले थे और कुछ ही समय में इसकी कीमत 438 रुपये पर पहुंच गई है। गौरतलब है कि ब्रिटेन की बहुराष्ट्रीय कंपनी बीएटी पीएलसी ने मंगलवार को कहा कि वह थोक सौदे के जरिये संस्थागत निवेशकों

को भारत की आईटीसी लिमिटेड की 3.5 प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रही है। आईटीसी लि. में सबसे बड़ी शेयरधारक ब्रिटिश अमेरिकन टोबैको पीएलसी (बीएटी) ने बयान में कहा कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी टोबैको मैन्युफैक्चरर्स (इंडिया) लिमिटेड (टीएमआई) आईटीसी लिमिटेड (आईटीसी) में संस्थागत निवेशकों को 43,68,51,457 साधारण शेयर बेचने का इरादा रखती है। मंगलवार के 404.25 रुपये प्रति शेयर के बंद भाव के आधार पर बीएटी द्वारा बेचे जाने वाले कुल आईटीसी शेयरों का मूल्य लगभग 17,659.72 करोड़ रुपये बैठेगा। बीएटी बहु-श्रेणी उपभोक्ता वस्तुओं के कारोबार में है। इसके रणनीतिक पोर्टफोलियो में वैश्विक सिगरेट ब्रांड और निकोटीन और धुआं रहित तंबाकू उत्पादों की बढ़ती श्रृंखला शामिल है। जानकारी के मुताबिक आईटीसी का प्रदर्शन इस वर्ष खास अच्छा नहीं रहा है। इस दौरान आईटीसी को 8.82 फीसदी का नुकसान उठाना पड़ा है। इसके इतर बीते एक वर्ष के दौरान 11 फीसदी का रिटर्न भी आया है जो पॉजिटिव है। बता दें कि आईटीसी की सबसे बड़ी शेयरधारक कंपनी ब्रिटिश अमेरिकन कंपनी टोबैको पीएलसी है। कंपनी ने बयान देकर कहा कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी अब आईटीसी के शेयरों को बेचने पर जोर देने जा रही है। ब्रिटिश अमेरिकन टोबैको कंपनी के पास सिगरेट ब्रांड से लेकर निकोटीन, धुंआ रहित टोबैको उत्पादों की विस्तृत सामग्री है।

खतरा हुआ तो परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने के लिए तैयार है रूस

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि अगर देश की संप्रभुता या स्वतंत्रता को कोई खतरा होता है तो वह परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने के लिए तैयार है। रूस के सरकारी टेलीविजन चैनल के साथ एक साक्षात्कार मेंपुतिन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिका किसी भी ऐसे तनाव से बचेगा जो परमाणु युद्ध को जन्म दे सकता है, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रूस के परमाणु बल इसके लिए तैयार हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने कभी यूक्रेन में युद्धक्षेत्र में परमाणु हथियारों का उपयोग करने पर विचार किया है, पुतिन ने जवाब दिया कि इसकी कोई आवश्यकता नहीं पड़ी। उन्होंने यह विश्वास भी जताया कि मॉस्को यूक्रेन में अपने लक्ष्यों को हासिल करेगा और उन्होंने बातचीत के लिए दरवाजे खुले होने की बात कही, साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी समझौते के लिए पश्चिम से पक्की गारंटी की आवश्यकता होगी।

कोटक महिंद्रा बैंक ने केफिन टेक्नोलॉजीज में दो प्रतिशत हिस्सेदारी 208 करोड़ रुपये में बेची

नवीनतम लेनदेन के बाद, केफिन टेक्नोलॉजीज में कोटक महिंद्रा बैंक की हिस्सेदारी 9.80 प्रतिशत हिस्सेदारी (दिसंबर, 2023 तक) से घटकर 7.77 प्रतिशत रह गई है। खरीदारों का विवरण नहीं मिल सका है। कोटक महिंद्रा बैंक ने मंगलवार को खुला बाजार लेनदेन के जरिये केफिन टेक्नोलॉजीज में दो प्रतिशत हिस्सेदारी 208 करोड़ रुपये में बेच दी। हिस्सेदारी बिक्री के बाद केफिन टेक्नोलॉजीज का शेयर बीएसई पर 5.70 प्रतिशत टूटकर 592.45 रुपये पर बंद हुआ। बीएसई के पास उपलब्ध थोक सौदे के आंकड़ों के अनुसार, कोटक महिंद्रा बैंक ने 34,70,000 शेयर बेचे, जो कि केफिन टेक्नोलॉजीज में 2.03 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। शेयरों को औसतन 600.28 रुपये की कीमत पर बेचा गया, जिससे लेनदेन का मूल्य 208.29 करोड़ रुपये बैठता है। नवीनतम लेनदेन के बाद, केफिन टेक्नोलॉजीज में कोटक महिंद्रा बैंक की हिस्सेदारी 9.80 प्रतिशत हिस्सेदारी (दिसंबर, 2023 तक) से घटकर 7.77 प्रतिशत रह गई है। खरीदारों का विवरण नहीं मिल सका है। केफिन टेक्नोलॉजीज भारत और विदेशों में म्यूचुअल फंड, एआईएफ (वैकल्पिक निवेश फंड), पेंशन, धन प्रबंधकों और कॉरपोरेट्स तक फैले ग्राहकों के साथ परिसंपत्ति प्रबंधकों की महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करती है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक हिमांशु गर्ग द्वारा गुरु कृपा प्रिन्टर्स, 22 रुकमणीपुरम फैजुल्लागंज सीतापुर रोड लखनऊ से मुद्रित एवं 320/56 कलावती निवास शंकरी टोला चौक लखनऊ, उत्तर प्रदेश 226003 से प्रकाशित ।
मो.- 8736080777, 8960901000 RNI No -UPHIN/2022/84312, Email gargtimesnews@ gmail.com,
नोट-इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के उत्तरदायी।